सांध्य दैनिक

4PM

मीठे वचन सब ओर सुख फैलाते हैं। किसी को भी वश में करने का ये एक मन्त्र होते हैं, इसलिए मानव को चाहिए कि कठोर वचन छोड़कर मीठा बोलने का प्रयास करे। -तुलसीदास

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 11 ● अंकः 316 पृष्ठः 8 ● लखनऊ, बुधवार 24 दिसम्बर, 2025

भारत ने श्रीलंका को सात विकेट... 7 | विपक्ष हार से उबर फिर कर रहा... 3 | किसानों और गरीबों की आवाज... 2

सेंगर की जमानत पर सियासी बवाल

दिल्ली हाईकोर्ट से मिली है जमानत

कुलदीप की जमानत के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाने की तैयारी में रेप पीड़िता

» बीजेपी सांसद बृजभूषण शरण पर भी लगाए पीड़िता ने आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। न्याय जब अधूरा लगे तो सबसे ज्यादा टूटता है वह इंसान जिसने सबसे ज्यादा सहा होता है। उन्नाव रेप कांड की पीड़िता के साथ आज ठीक यही हो रहा है। जिस मामले ने पूरे देश को झकझोर दिया था जिस पर अदालत ने उम्रकैद की सजा सुनाकर यह भरोसा दिलाया था कि ताकत के आगे कानून नहीं झुकेगा उसी मामले में दिल्ली हाईकोर्ट से मिली जमानत ने एक बार फिर सवाल खड़े कर दिए हैं।

सवाल सिर्फ एक दोषी की रिहाई का नहीं है सवाल उस भरोसे का है जो न्याय व्यवस्था ने एक पीड़िता को दिया था। पूर्व भाजपा विधायक कुलदीप सिंह सेंगर को उम्रकैद की सजा पर रोक और जमानत मिलने के बाद रेप विक्टिम ने साफ शब्दों में कहा है कि यह फैसला उनके लिए सिर्फ कानूनी झटका नहीं बल्कि मानसिक और सामाजिक यातना का नया दौर है। रेप विक्टिम के अनुसार सेंगर का प्रभाव जेल से भी जारी है और यह जमानत उनके लिए डर असुरक्षा और दबाव का प्रतीक बन गई है। यही वजह है कि अब उन्होंने दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने का फैसला किया है।

संघर्ष पर सवाल

उन्नाव रेप कांड पहले ही देश की राजनीति और समाज पर गहरा असर डाल चुका है। इस केस में पीड़िता और उसके परिवार को सड़क हादसे, गवाहों की मौत और प्रशासनिक उदासीनता जैसी कई त्रासदियों का सामना करना पड़ा। ऐसे में सेंगर को जमानत मिलना उस पूरे संघर्ष पर सवाल खड़ा करता है। कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि सुप्रीम कोर्ट में यह मामला सिर्फ एक जमानत याचिका तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि यह उस व्यापक सवाल को भी छुएगा कि क्या दोष सिद्ध हो जाने के बाद भी प्रभावशाली आरोपियों को राहत देना न्याय के मूल सिद्धांतों के अनुरूप है।

रेपिस्ट को राजनीतिक सरंक्षण!

यह मामला अब सिर्फ अदालत की चारदीवारी तक सीमित नहीं रहा। यह सियासी बहस का केंद्र बन चुका है। विपक्ष इसे सत्ता संरक्षण का खुला उदाहरण बता रहा है जबकि सरकार और सत्तारूढ़ दल चुप्पी साधे हुए हैं। पीड़िता का कहना है कि फैसले के बाद वह इस कदर टूट गई थीं कि उन्होंने अपनी जिंदगी खत्म करने तक का विचार किया लेकिन परिवार और न्याय की उम्मीद ने उन्हें फिर खड़ा कर दिया। इस पूरे घटनाक्रम ने एक बार फिर देश में महिला सुरक्षा राजनीतिक संरक्षण और न्यायिक प्रक्रिया की गति पर बहस छेड़ दी है। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ जैसे नारों के बीच यह सवाल गूंज रहा है कि क्या दोष सिद्ध हो जाने के बाद भी प्रभावशाली लोगों को राहत मिलना सिस्टम की कमजोरी नहीं है क्या जमानत का अधिकार पीड़िता के भय और सुरक्षा से बड़ा हो सकता है?

उन्नाव की बेटी मांगे न्याय

उन्नाव की यह बेटी आज फिर उसी मोड़ पर खड़ी है जहां उसे लड़ना है। इस बार सिर्फ एक अपराधी से नहीं बल्कि उस व्यवस्था से जो उसे बार-बार यह एहसास दिला रही है कि न्याय पाने की लड़ाई सज़ा से खत्म नहीं होती। सुप्रीम कोर्ट में जाने का फैसला केवल कानूनी कदम नहीं बल्कि उस उम्मीद को बचाने की कोशिश है जिसे इस देश की लाखों बेटियां अपनी आखिरी ताकत मानती हैं।

● उन्नाव रेप केस की पीड़िता संसद के बाहर कड़कड़ाती ठंड में धरने पर।

'मुझे नहीं डराया जा सकता'

पीड़िता ने साफ कहा है कि वह डरेंगी नहीं और आखिरी सांस तक न्याय की लड़ाई लड़ेंगी। उनका कहना है कि यह लड़ाई सिर्फ उनकी नहीं बल्कि उन सभी बेटियों की है जो सिस्टम से न्याय की उम्मीद रखती हैं। सुप्रीम कोर्ट में जाने का उनका फैसला इस बात का संकेत है कि इंसाफ की जंग अभी खत्म नहीं हुई है बस उसका मैदान बदल गया है।

सपा-कांग्रेस ने उठाये सवाल

इस पूरे प्रकरण पर विपक्ष ने सरकार को घेरना शुरू कर दिया है। कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और अन्य विपक्षी दलों ने सवाल उठाएं हैं कि जब एक व्यक्ति को गंभीर अपराध में दोषी ठहराया जा चुका है तो उसे जमानत देना किस संदेश को दर्शाता है। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि यह फैसला महिला सुरक्षा के दावों की पोल खोलता है। समाजवादी पार्टी ने इसे न्याय व्यवस्था पर राजनीतिक दबाव का उदाहरण बताया। इस बीच पीड़िता ने सिर्फ सेंगर ही नहीं बल्कि भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह पर भी गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि जिन मामलों में प्रभावशाली लोग आरोपी होते हैं वहां पीड़िताओं को लगातार दबाव डर और सामाजिक अपमान का सामना करना पड़ता है। उनका कहना है कि सत्ता और रसूख का इस्तेमाल कर मामलों को लंबा खींचा जाता है ताकि पीड़िता टूट जाए।

सरकार ने तानी चुप्पी की चादर

सरकार की ओर से इस मुद्दे पर फिलहाल कोई ठोस प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। सत्तारूढ़ दल के नेता इसे न्यायिक प्रक्रिया का हिस्सा बताकर टिप्पणी से बचते नजर आ रहे हैं। हालांकि कानूनी जानकारों का कहना है कि जमानत कानूनी अधिकार है लेकिन ऐसे मामलों में पीड़िता की सुरक्षा और मानसिक स्थिति को भी बराबर महत्व दिया जाना चाहिए। दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले के बाद कई महिला संगठनों ने भी नाराजगी जताई है। उनका कहना है कि इस तरह के फैसले उन महिलाओं के हौसले तोड़ते हैं जो न्याय की उम्मीद लेकर अदालत का दरवाजा खटखटाती हैं। संगठनों ने मांग की है कि सुप्रीम कोर्ट इस मामले में हस्तक्षेप करे और पीड़िता की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।

किसानों और गरीबों की आवाज थे चौधरी चरण सिंह: शिवपाल

» सपा नेता ने पूर्व पीएम को श्रद्धांजलि अर्पित की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के नेता शिवपाल यादव ने लखनऊ में पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्हें समाज के वंचित वर्गों की आवाज बताते हुए उन्होंने कहा कि भारत रत्न से सम्मानित दिवंगत प्रधानमंत्री ने उनके हित में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए। पूर्व प्रधानमंत्री की जयंती पर समाजवादी पार्टी के नेता ने उनके चित्र पर माल्यार्पण किया और किसानों और श्रमिकों के लिए उनके कार्यों को याद किया।

उन्होंने कहा कि चौधरी चरण सिंह किसानों और गरीबों की आवाज थे।इसके अलावा, उन्होंने भारत रत्न से सम्मानित प्रधानमंत्री के कार्यों पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने उनके कल्याण के लिए व्यापक रूप से काम किया और उनके लिए कुछ ऐतिहासिक निर्णय लिए। यादव ने दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री के शब्दों का उल्लेख करते हुए कहा कि गांवों के माध्यम से भारत का विकास सुगम होगा और बताया कि समाजवादी पार्टी इसी दिशा में काम कर रही है। यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी के सदस्य देश के विकास के लिए पूर्व प्रधानमंत्री के सिद्धांतों और दिशा-निर्देशों का पालन करेंगे। इससे पहले, प्रधानमंत्री मोदी ने पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धांजलि अर्पित की। आधिकारिक पोस्ट में कहा गया कि पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न चौधरी चरण सिंह जी की जयंती पर हार्दिक श्रद्धांजलि। उन्होंने अपना जीवन समाज के वंचित वर्गों के कल्याण के साथ-साथ कृषि की प्रगति और किसानों की समृद्धि के लिए समर्पित किया। एक कृतज्ञ राष्ट्र राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान को कभी नहीं भूल सकता।

वंदे मातरम् राष्ट्र की आत्मा है

यूपी विधानसभा में वंदे मातरम् पर चर्चा के दौरान शिवपाल सिंह यादव और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आमने-सामने दिखे। शिवपाल ने कहा कि वंदे मातरम् राष्ट्र की आत्मा है।

ब्राह्मण हमारे यहां आएं पूरा सम्मान मिलेगा

सपा विधायक शिवपाल सिंह यादव ने ब्राह्मण विधायकों की बैठक को लेकर बयान दिया है। उन्होंने कहा कि ये लोग हमारी पार्टी में आएं सभी को सम्मान मिलेगा।

विकास के नाम पर हो रहा विनाश: आदित्य ठाकरे

» शिवसेना यूबीटी नेता ने अरावली पहाड़ियों को लेकर केंद्र सरकार पर बोला हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे ने अरावली पहाड़ियों के विवाद को लेकर भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की कड़ी आलोचना करते हुए उस पर भारत के पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि केंद्रीय पर्यावरण मंत्री द्वारा अरावली पहाड़ियों को नष्ट करने के प्रस्तावित कदम का बचाव करना शर्मनाक है।

एक पोस्ट में उन्होंने लिखा केंद्र सरकार के पर्यावरण मंत्री का अरावली पहाड़ियों के प्रस्तावित विनाश का बचाव करना शर्मनाक है! पहली बात तो, पर्दाफाश होने के बाद झूठ बोलने की क्या ज़रूरत थी? फिर, अगर अरावली पहाड़ियों का एक छोटा सा हिस्सा भी है, तो उसे खनन के लिए क्यों खोला जा रहा है? भाजपा भारत की पारिस्थितिकी को पूरी तरह नष्ट करने पर इतनी तुली क्यों है, ठीक वैसे ही जैसे वह हमारे सामाजिक ताने-बाने को नष्ट कर रही है? पोस्ट में लिखा कि आज अरावली पहाड़ियों की बात हो रही है, कल वे पश्चिमी घाट या हिमालय को खनन के लिए खोल देंगे!

अरावली पहाड़ियों की रक्षा के लिए राजस्थान के सभी लोग जिस तरह सड़कों पर उतरे हैं, उसे देखकर वाकई प्रेरणा मिलती है। सरकार को अब हमारे प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा के लिए और अधिक प्रयास करने चाहिए – लेकिन यह उम्मीद मौजूदा सरकार से नहीं है! एक दिन पहले, केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने आश्वासन दिया था कि एनसीआर क्षेत्र में खनन की अनुमति नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले कुछ वर्षों में हरित अरावली से संबंधित मुद्दों में काफी वृद्धि हुई है। आंकड़ों के अनुसार, यादव ने कहा कि 2014 में जब देश में केवल 24 रामसर स्थल थे, तब से अब यह संख्या बढ़कर 96 हो गई है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अरावली क्षेत्र के सुल्तानपुर, भिंडावास, असोला, सिलिसेरह और सांभर के रामसर स्थलों की घोषणा भाजपा सरकार के कार्यकाल में की गई थी।

नफरत की जनक तो भाजपा है हमने तो फांसी को चूमा है: इमरान मसूद

» कांग्रेस सांसद का गडकरी और भाजपा पर तीखा हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सहारनपुर से सांसद और कांग्रेस के कद्दावर नेता इमरान मसूद ने बुधवार को नितिन गडकरी के बयानों और भारतीय जनता पार्टी की विचारधारा पर जबरदस्त पलटवार किया है। प्रदूषण से लेकर विभाजन के इतिहास तक, मसूद ने एक-एक कर भाजपा सरकार को कटघरे में खड़ा किया है।

नितिन गडकरी के प्रदूषण की बात स्वीकारने पर मसूद ने कहा, नितिन गडकरी ने कम से कम सच बोलने की हिम्मत तो दिखाई, लेकिन सिर्फ उपाय बताने से काम नहीं चलेगा. प्रदूषण के लिए सिर्फ गाड़ियां जिम्मेदार नहीं हैं, क्योंकि गाडियां तो दिल्ली के बाहर भी चलती हैं, सरकार को ठोस समाधान बताना चाहिए। जनसंख्या और अन्य मुद्दों पर नवनीत राणा के बयानों को मसूद ने आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा, पहले नवनीत राणा खुद बताएं कि उनके कितने बच्चे हैं? खुद के लिए अलग कानून और बाकी दुनिया को लाइन में खड़ा करना, यह दोहरा मापदंड नहीं चलेगा।

इतिहास बदलना चाहती है भाजपा

भाजपा के सेक्युलर वाले बयानों पर हमला करते हुए मसूद ने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा देश में सौहार्द की बात की है। उन्होंने आरोप लगाया कि धर्म के नाम पर नफरत भाजपा की विचारधारा की देन है। मॉब लिंचिंग आपके लोग करते हैं, हम नहीं, वक्फ के नाम पर आप मुस्लिम संस्थाओं के फंड्स रोकने की साजिश रच रहे हैं, यह आपकी तुष्टिकरण की राजनीति है।

पंचायत चुनाव में गड़बड़ी की आशंका: शर्मा

» सांसद बोले- सबसे अधिक जनप्रतिनिधि कांग्रेस के होंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अमेठी। सभी विधानसभाओं में कांग्रेस मजबूती के साथ चुनाव लड़ेगी। संगठन हमारा हर विधानसभा में है। सांप्रदायिक ताकतों को रोकने के लिए शीर्ष नेतृत्व का निर्णय अंतिम होगा। पंचायत चुनाव में गड़बड़ी नहीं हुई तो ग्राम पंचायतों में कांग्रेस के सबसे अधिक जन प्रतिनिधि चुनाव जीतेंगे। ये बातें गौरीगंज स्थित केंद्रीय कांग्रेस कार्यालय में कांग्रेस सांसद किशोरीलाल शर्मा ने कहीं।

उन्होंने एसआईआर कार्यक्रम को लेकर कहा कि बूथवार पार्टी के बीएलए अनुपस्थित, शिफ्टेड व अन्य मतदाताओं की मिली एएसडी सूची का सत्यापन कर रहे हैं। कई मामले ऐसे आए है कि परिवार के सदस्यों का नाम सूची में शामिल नहीं किया गया था। संबंधित बीएलए की शिकायत पर उसे सही करवाया गया। कहा कि विधानसभा चुनाव की तैयारियां तेजी से की जा रही है। अमेठी और रायबरेली में संगठन पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर दिशा निर्देश दिए जा रहे हैं। कहा कि विधानसभा में जो जीतने वाले व पार्टी के साथ निष्ठा से काम करने वालों को ही टिकट के लिए प्रमोट किया जाएगा। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को लेकर जारी हुई अनंतिम सूची की चर्चा करते हुए कहा कि सरकार व सत्ताधारी दल चुनाव में तमाम हथकंडे अपनाते हैं। कहीं परचा खारिज कर तो कहीं मतदान में अन्य गड़बड़ी कराकर।

उन्होंने कहा कि सरकार पारदर्शी चुनाव कराए तो जिला पंचायत, क्षेत्र पंचायत और ग्राम पंचायत में सबसे अधिक उनके प्रतिनिधि चुनाव जीतकर आएंगे। उन्होंने सरकार पर तंज कसते हुए निशाना साधा। सरकार गरीबों के हित को नजरअंदाज कर रही हैं। कोरोना काल में बंद हुई ट्रेनें अभी तक शुरू नहीं हुई। एक्सप्रेस ट्रेनों का ठहराव जिले में होना चाहिए। कहा कि लोकल, डेमो, मेमो व ट्रेनें संचालित होनी चाहिए, इसके लिए लगातार पत्राचार किया गया है। उन्होंने बताया कि ऊंचाहार-अमेठी-शाहगंज रेल परियोजना कांग्रेस की महत्वाकांक्षी परियोजना थी। इससे कई विधानसभा के लोगों को लाभ मिलता और सस्ती परिवहन सुविधा उपलब्ध होती।

11 साल बीत गए अमेठी में अभी कुछ नहीं हुआ

भाजपा सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि इस परियोजना को उन्होंने पूरी करने को कहा,11 साल बीत गए अभी कुछ नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि प्रयास किया जा रहा है, अगर इस सरकार ने नहीं बनवाया तो अपनी सरकार में हम इस परियोजना का काम पूरा कराएंगे। इसके पूर्व उन्होंने जनसुनवाई करते हुए लोगों की समस्याओं का निस्तारण कराने के लिए संबंधित अफसरों को निर्देशित किया। वहीं उन्होंने एसआईआर अभियान की समीक्षा बैठक कर एएसडी सूची में शामिल हुए पात्र मतदाताओं को मतदाता सूची में शामिल कराने को निर्देशित किया। इसके अलावा पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर पात्रों को योजनाओं से जोड़ने व उन्हें लाभांवित कराने की बात कही। इस दौरान जिलाध्यक्ष प्रदीप सिंघल, अनिल सिंह, धर्मेंद्र शुक्ल आदि मौजूद रहे।

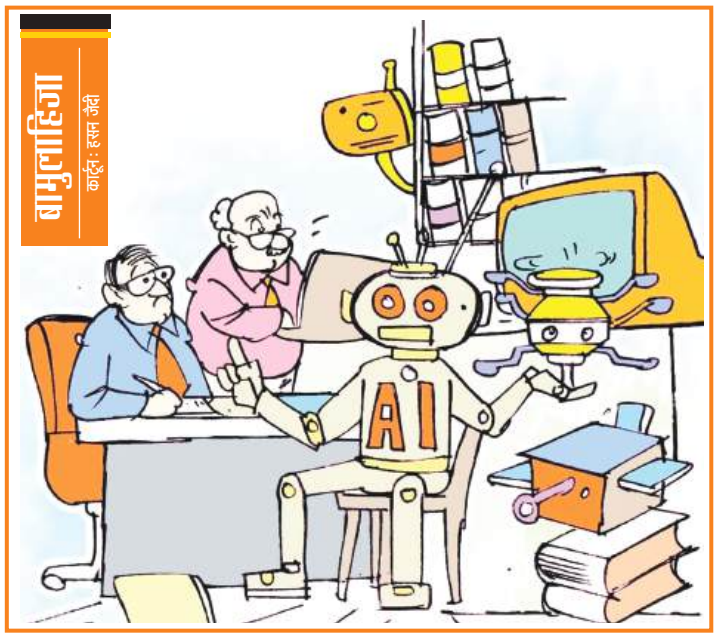

भगोड़ा मेहुल चोकसी की याचिका खारिज

» मुंबई की अदालत का फैसला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। मुंबई की एक अदालत ने पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) धोखाधड़ी मामले में 'भगोड़ा आर्थिक अपराधी' (एफईओ) घोषित करने की प्रक्रि या रद्द करने संबंधी भगोड़ा हीरा कारोबारी मेहुल चोकसी की याचिका खारिज कर दी। चोकसी की एक ऐसी ही याचिका नवंबर में विशेष धनशोधन निवारण अधिनियम(पीए) अदालत ने खारिज कर दी थी।

उस याचिका में बेल्जियम में उसकी गिरफ्तारी और भारतीय अधिकारियों द्वारा शुरू की गई प्रत्यर्पण प्रक्रिया का हवाला दिया गया था। नयी याचिका में चोकसी ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की उस याचिका को खारिज करने का अनुरोध किया है, जिसमें उसे भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित करने का अनुरोध किया गया था।

चोकसी ने दलील दी कि कंपनी अधिनियम के अनुसार, जब गंभीर धोखाधड़ी जांच कार्यालय (एसएफआईओ) उसी आरोप की जांच कर रहा है, तो संघीय जांच एजेंसी अपनी कार्यवाही जारी नहीं रख सकती। वहीं, विशेष लोक अभियोजक कविता पाटिल के माध्यम से प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कहा कि कंपनी अधिनियम की धारा 212(2) में उल्लेखित प्रावधान केवल उसी अधिनियम के तहत आने वाले अपराधों पर लागू होता है। पाटिल ने कहा कि अन्य अधिनियमों के तहत अपराधों पर कार्रवाई करने पर ऐसी कोई रोक नहीं है। मेहुल चोकसी और उसके भांजे नीरव मोदी इस घोटाले के मुख्य आरोपी हैं।

विपक्ष हार से उबर फिर कर रहा प्रहार

सपा-कांग्रेस-टीएमसी के निशाने पर मोदी सरकार

- रेल किराया बढ़ाने पर भड़की कांग्रेस
- एसआईआर पर ममता व अखिलेश ने दागे सवाल
- कांग्रेस अध्यक्ष बोले- जनता को लूटने का मौका नहीं छोड़ती सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बिहार चुनाव की हार से उबरकर विपक्ष एकबार फिर भाजपा सरकार पर प्रहार करने लगा है। कांग्रेस, टीएमएसी, सपा से लकर डीएमके तक भाजपा की तानशाही नीतियों पर हमलावर है। जहां सपा प्रमुख अखिलेश, टीएमसी सुप्रीमो एसआईआर पर मुखर हैं। तो कांग्रेस अध्यक्ष रेलवे किराया बढ़ाने से लेकर वंदे मातरम तक बीजेपी को घेर रहें हैं।

उधर तमिलनाडु में स्टालिन राज्य के हक पर केंद्र पर निशान साध रहे हैं। कांग्रेस ने रेल किराया बढ़ाने को लेकर एनडी एसरकार को आड़े हाथों लिया है। पार्टी ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार में रेल मंत्रालय की जवाबदेही खत्म हो गई है और सिर्फ नकली प्रचार किया जा रहा है। मुख्य विपक्षी दल ने यह भी कहा कि रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को इस्तीफा देना चाहिए क्योंकि उनके रहते रेलवे की हालत खराब हो गई है। रेल मंत्रालय ने बीते रविवार को घोषणा की थी कि 215 किलोमीटर से अधिक की यात्रा के लिए साधारण श्रेणी के टिकट में प्रति किलोमीटर एक पैसा और मेल/एक्सप्रेस रेलगाड़ियों की नॉन-एसी श्रेणी व सभी ट्रेन की वातानुकूलित श्रेणियों में प्रति किलोमीटर दो पैसे की वृद्धि की जाएगी। नई दरें 26 दिसंबर 2025 से प्रभावी होंगी।

रेलवे अब सुरक्षित नहीं है

खरगे ने कहा कि एनसीआरबी के 2014-23 तक के आंकड़ों के मुताबिक, रेलवे से संबंधित हादसों में 2.18 लाख लोगों की मौत हुई। रेलवे अब सुरक्षित नहीं है, यह जीवन के साथ एक जुआ है। कांग्रेस अध्यक्ष ने दावा किया कि रेलवे में 3.16 लाख रिक्तियां हैं, लेकिन युवाओं को संविदा पर नौकरी दिए जाने का सिलसिला बढ़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया, मोदी सरकार के तहत, रेलवे को उपेक्षा, उदासीनता और नकली प्रचार की दुखद स्थिति का सामना करना पड़ रहा है।

नफरत, महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार बीजेपी के यार : अखिलेश यादव

समाजवादी पार्टी (एसपी) के नेता अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर जमकर हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि उसके शासन में नफरत, महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार बेकाबू होकर बढ़ रहे हैं, जबकि बाकी सब कुछ घट रहा है। एमजीएनआरईजीए के मुद्दे पर उन्होंने एक्स पोस्ट में इसके अस्तित्व पर सवाल उठाते हुए कहा कि भाजपा शासन में नफरत, महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार बेकाबू होकर बढ़ रहे हैं, जबकि बाकी सब कुछ घट रहा है, तो एमजीएनआरईजीए कैसे चल सकता है? इसीलिए एमजीएनआरईजीए कार्ड रद्द किए जा रहे हैं। केंद्र सरकार ने अतिरिक्त खर्च का बोझ राज्यों पर डालकर इस मामले से पल्ला झाड़ लिया है। साफ शब्दों में कहें तो भाजपा गरीब विरोधी है! सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी टिप्पणी के साथ-साथ, अखिलेश यादव ने एक इन्फोग्राफिक भी साझा किया, जिसमें छह राज्यों में कथित तौर पर रद्द किए गए एमजीएनआरईजीए कार्डों की संख्या दर्शाई गई है बिहार- 1.04 करोड़, उत्तर प्रदेश- 90.4 लाख, ओडिशा-41.6 लाख, मध्य प्रदेश- 32.7 लाख, पश्चिम बंगाल- 24.2 लाख और राजस्थान-10.5 लाख। 16 दिसंबर को, अखिलेश यादव ने वीबी-जी राम जी विधेयक की आलोचना करते हुए दावा किया कि यह विधेयक राज्य सरकारों पर पूरा बोझ डालेगा। अखिलेश यादव ने कहा कि नए विधेयक के तहत निधि का 60:40 का बंटवारा केंद्र और राज्यों के बीच टकराव पैदा करेगा। उन्होंने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (एमजीएनआरईजीए) का नाम बदलने को लेकर केंद्र सरकार पर भी कटाक्ष किया और कहा कि केंद्र सरकार उत्तर प्रदेश सरकार की नकल कर रही है। उन्होंने कहा कि राजनीति और योजनाएं ऐसी होनी चाहिए जिनसे जनता को लाभ हो। एमजीएनआरईजीए के माध्यम से बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार के अवसर मिलते थे।

ममता ने एसआईआर पर निर्वाचन आयोग को घेरा

सोमवार को आयोजित बूथ स्तरीय कार्यकर्ताओं की इस बैठक में ममता बनर्जी ने निर्वाचन आयोग पर तीखा हमला किया। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में मतदाता सूचियों की अब तक की गई एसआईआर प्रक्रिया के बाद पब्लिश की गई ड्रॉफ्ट सूची में कई खामियां हैं। उन्होंने निर्वाचन आयोग पर यह भी आरोप लगाया कि वो राज्य सरकार को सूचित किए बगैर पर्यवेक्षकों की नियुक्ति कर रहा है, साथ ही वो भारतीय जनता पार्टी के फायदे के लिए काम कर रहा है। उन्होंने दावा किया, निर्वाचन आयोग केवल बीजेपी के निर्देशों पर काम कर रहा है। ममता बनर्जी ने कहा कि राज्य में एसआईआर प्रक्रिया में मतदाताओं की मैपिंग में भारी त्रुटियां हुई हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि हजारों सही मतदाताओं के नाम मसौदा सूचियों से हटा दिए गए हैं। उन्होंने कहा, हमें नहीं पता कि इतने सारे असली मतदाताओं की समस्याओं को इतने कम समय में कैसे हल किया जा सकता है। तृणमूल प्रमुख ने यह भी दावा किया कि **SIR** में विसंगति की सुनवाई जो केंद्रीय अधिकारी पर्यवेक्षक नियुक्त किए गए हैं उन्हें स्थानीय भाषा का बहुत कम ज्ञान है और वो पुनरीक्षण प्रक्रिया के दूसरे चरण के दौरान सत्यापन (वेरिफिकेशन) करने के लिहाज से अयोग्य हैं।

सरकार में रेल मंत्रालय की जवाबदेही खत्म हो गई है : खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने एक्स पर पोस्ट किया, मोदी सरकार आम जनता को लूटने का कोई मौका नहीं छोड़ रही है। केंद्रीय बजट से कुछ दिन पहले, एक ही वर्ष में दूसरी बार रेलवे किराया बढ़ाया गया। अलग रेल बजट नहीं होने से जवाबदेही खत्म हो गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि रेलवे बीमार हालत में है, क्योंकि मोदी सरकार ठोस काम के बजाय नकली प्रचार में व्यस्त है।

शाह की पूरी बटालियन तमिलनाडु में कुछ नहीं कर पाएगी : स्टालिन

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर हमला बोलते हुए तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने कहा कि सिर्फ़ केंद्रीय मंत्री अमित शाह ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के लोगों की पूरी बटालियन भी राज्य में चुनावी तौर पर असर नहीं डाल पाएगी और भाजपा को हराकर द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) जीत हासिल करेगी। द्रमुक की युवा इकाई (नॉर्थ जोन) के पदाधिकारियों की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने आरोप लगाया कि 2024 में केंद्र में भाजपा के तीसरी बार सत्ता में आने के बाद दक्षिणपंथी संगठन तेजी से काम कर रहे हैं, इसलिए ऐसे अभियान का

मुकाबला करने के लिए पार्टी को जोरदार तरीके से अभियान चलाना होगा और अपने सिद्धांतों को फैलाना होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि अमित शाह ने हाल में कहा था कि बिहार में जीत के बाद तमिलनाडु भाजपा का अगला लक्ष्य है। स्टालिन ने कहा, ''सिर्फ आप (अमित शाह) ही नहीं, अगर आप पूरी संघी बटालियन (आरएसएस के लोग) भी ले आएं, तो भी आप यहाँ कुछ नहीं कर सकते (चुनावी असर डालना और जीतना)। यह तमिलनाडु है। आप हमारे स्वभाव को नहीं समझते।

10 साल में रेलवे का किराया 107 प्रतिशत बढ़ा : अजय कुमार

कांग्रेस प्रवक्ता अजय कुमार ने संवाददाताओं से बातचीत में दावा किया, अश्विनी वैष्णव 2024 में तीसरी बार मोदी सरकार बनने के बाद से दो बार रेल का किराया बढ़ा चुके हैं। वह इतने चतुर हैं कि यह बताते हैं हमने एक पैसा या दो पैसा प्रति किलोमीटर के हिसाब से किराया बढ़ाया है, लेकिन आम जनता के ऊपर 100-200 रुपये तक का भार पड़ता है। अजय कुमार ने दावा किया कि पिछले 10 साल में रेलवे का किराया 107 प्रतिशत तक बढ़ चुका है तथा मोदी सरकार ने लोगों का ट्रेन से चलना भी मुश्किल कर दिया है। कांग्रेस ने मांग की, पूरे देश की रेल लाइन में

सुरक्षा कवच की व्यवस्था की जाए। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव इस्तीफा दें, क्योंकि उनके रहते रेलवे की हालत खराब हो गई है। रेलवे में बुजुर्गों को मिलने वाली छूट वापस लागू की जाए।

ममता की हुंकार- अल्पसंख्यक एकजुट हों, हम बीजेपी से दिल्ली छीन लेंगे

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अल्पसंख्यकों से एकजुट होने का आह्वान किया है। ममता बनर्जी ने नेताजी इनडोर स्टेडियम में तृणमूल कांग्रेस के बूथ स्तरीय कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित करते हुए **SIR** (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन या विशेष गहन पुनरीक्षण) को भी भारी खामियों वाला बताया। इसी दौरान ममता बनर्जी ने अल्पसंख्यकों को एकजुट होने को कहा। वो बोलीं, मैं अल्पसंख्यकों से कहती हूं कि कृपया एकजुट हो जाएं। यह फैसला आप पर है। बीजेपी अपने पैसे की ताकत से आपको बांटने की कोशिश कर रही है मैं साफ तौर पर आपसे कहती हूं कि एकजुट हो जाएं। उन्होंने आरोप लगाया, बीजेपी बंगाल में मुसलमानों के बीच फूट डालने की कोशिश कर रही है। वह समुदाय को बांटने की कोशिश कर रही है। इस दौरान ममता बनर्जी ने कहा कि नेता नहीं, केवल जमीनी स्तर के तृणमूल कार्यकर्ता ही बीजेपी को बंगाल में पैर जमाने से रोक सकते हैं। उन्होंने पार्टी समर्थकों से राज्य में सत्ता पर कब्जा करने की भगवा खेमे की कुटिल चालों का पूरी तरह से प्रतिरोध करने को कहा। इस दौरान ममता बनर्जी ने कहा, बंगाल के बाद हम बीजेपी से दिल्ली छीन लेंगे।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

सब मिलकर ही निकाल सकते हैं समाधान

अभी प्रदूषण की मार से दिल्ली के लोग परेशान थे। अब दिल्ली के पर्यावरण को संरक्षित करने वाली अरावली पहाड़ पर चोट लगने वाली है। कु छ पहाड़ियों को खनन की मंजूरी देने से इस 800 किमी के पहाड़ को भारी नुकसान होने वाला है। इसको बचाने के लिए आम जनता को मोर्चा संभालना हो। वो ही सिस्टम को सुधार सकती है। अभी कु छ दिन पहले कई शहरों में जगह-जगह कचरे का ढेर, दगे पटाखों ये पटी सड़कें भारतीय नागरिकों की गैरजिम्मेदाराना रवैये को दर्शा रही थी। पर कु छ जिम्मेदार लोग उससे निदान निकालने में जुटे थे। अरावली के मामले में सब मिलकर ही निकाल सकते हैं समाधान। आपको बता दें घर-गली-मोहल्ला-शहर-प्रदेश सभी चकाचक और जगमग रहे। त्योहार के अगले दिन एक बदरंग तस्वीर नजर आई। चकाचक-साफ-सुथरे की बजाय जगह-जगह कचरे के ढेर लगे थे। नालियां भी जाम थी। राज्यों की राजधानियों की ही बात करें, तो यहां की सफाई व्यवस्था पूरी तरह ठप रही।

हालांकि नगर निगमों ने दावे किया कि के प्रमुख मार्गों की सफाई के लिए मैकेनाइज्ड स्वीपिंग मशीनें लगाई गई थीं और रात में विशेष सफाई कराने का काम किया गया। लेकिन, सड़कों पर पटाखों का कचरा, अन्य सामग्री-रैपर आदि के ढेर अभी भी देखे जा सकते हैं। वहीं डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन करने वाली कंपनी की गाडियों के पहिए भी थमे रहे। नगर निगम प्रशासन ने साफ-सफाई और स्ट्रीट लाइटों के लिए जोन के अधिकारियों के मोबाइल नंबर सार्वजनिक किए थे, वो भी काम नहीं आए। क्योंकि सफाई ठेकेदार और कामगार दोनों छुट्टी पर चले गए थे। वहीं, रायपुर सहित प्रदेश के प्रमुख शहरों की हवा भी खराब हुई। त्योहार पर जमकर आतिशबाजी हुई। इससे हवा में प्रदूषण का स्तर निर्धारित मानक से दोगुना जा पहुंचा। पटाखों को लेकर कोर्ट की गाइडलाइन है। कैसे पटाखे चलाने हैं, कितने बजे तक चलाने हैं, आदि आदि। तो कहीं बैन भी कर दिया जाता है। अब सवाल यह उठता है कि क्या त्योहारों पर खुशियों पर बैन लगाया जा सकता है? साफ-सफाई व्यवस्था चरमराने के लिए सिर्फ आमलोगों को ही जिम्मेदार ठहराया जा सकता है? यह तो सर्वविदित है कि हर साल त्योहार आएंगे और इन्हें लगभग इसी तरह से उत्साह-उमंग के साथ मनाया भी जाएगा। तो फिर प्रदूषण और अन्य अव्यवस्था-समस्या का समाधान कैसे होगा। इसके लिए लोगों और समाज को तो जागरूक होना ही होगा... और लोग धीरे-धीरे जागरूक हो भी रहे हैं। वे स्वमेय ही साफ-सफाई और प्रदूषण नियंत्रण पर ध्यान दे रहे हैं। लेकिन शासन-प्रशासन को भी समझना चाहिए कि सिर्फ नियम-कानून लागू कर देने से ही समस्या का समाधान नहीं हो जाता। शासन-प्रशासन साफ-सफाई सहित अन्य व्यवस्था चुस्त-दुरुस्त रखे।

> । अभी कु छ दिन पहले कई शहरों में जगह-जगह कचरे का ढेर, दगे पटाखों ये पटी सड़कें भारतीय नागरिकों की गैरजिम्मेदाराना रवैये को दर्शा रही थी। पर कुछ जिम्मेदार लोग उससे निदान निकालने में जुटे थे। अरावली के मामले में सब मिलकर ही निकाल सकते हैं समाधान।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

भारत के लिए चिंता की बात है अराजकता

डॉ. कृष्ण कुमार रद्दू

बांग्लादेश में 'कट्टरपंथ' की विभीषिका चरम पर है। हिंसा के इस दौर में भारत विरोध और मीडिया हाउस निशाने पर हैं। निष्पक्ष लिखने वाले पत्रकारों पर जानलेवा हमले हो रहे हैं। वहां का हिंदू समुदाय, पत्रकार और मीडिया हाउस भय की स्थिति में हैं। वर्तमान में, बांग्लादेश की राजनीतिक और सामाजिक स्थिति संवेदनशील हो चुकी है। दिसंबर के मध्य में घटित घटनाओं ने इस देश को नए उथल-पुथल की ओर धकेल दिया है। शरीफ उस्मान हादी, जो इंकलाब मंच के प्रवक्ता और 2024 के छात्र आंदोलन के प्रमुख चेहरे थे, की मौत ने व्यापक विरोध प्रदर्शनों को जन्म दिया है। हादी, जो भारत-विरोधी बयानबाजी और शेख हसीना के कट्टर आलोचक के रूप में जाने जाते थे, की हत्या ने न केवल आंतरिक अस्थिरता को बढ़ावा दिया, बल्कि भारत के साथ संबंधों को और तनावपूर्ण बना दिया है।

पिछले दिनों ढाका और अन्य शहरों में हिंसक प्रदर्शन हुए, जिसमें प्रमुख मीडिया हाउस जैसे 'द डेली स्टार' और 'प्रथम आलो बांग्ला' समाचार पत्र के कार्यालयों पर हमले और आगजनी की घटनाएं घटीं। वहीं, भारत ने सुरक्षा चिंताओं के चलते अपने वीजा केंद्र बंद कर दिए, जो द्विपक्षीय संबंधों में गिरावट का स्पष्ट संकेत है। इन घटनाओं से बांग्लादेश की अंतरिम सरकार, जो नोबेल पुरस्कार विजेता मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व में है, के सामने कई चुनौतियां खड़ी हो गई हैं। कट्टरपंथी तत्वों का उदय और भारत-विरोधी भावनाएं क्षेत्रीय स्थिरता के लिए गंभीर खतरा पैदा कर रही हैं। इन सब घटनाओं की पृष्ठभूमि में 2024 का छात्र-नेतृत्व वाला आंदोलन एक महत्वपूर्ण मोड़ था। कोटा सिस्टम के खिलाफ शुरू हुआ यह आंदोलन जल्द ही शेख हसीना की सरकार के खिलाफ हो गया, जिसके परिणामस्वरूप अगस्त, 2024 में हसीना को सत्ता छोड़नी पड़ी। इस आंदोलन में इंकलाब मंच के प्रवक्ता शरीफ उस्मान हादी जैसे छात्र नेताओं ने प्रमुख भूमिका निभाई थी। शेख हसीना के जाने के बाद मुहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार बनी, जिसने फरवरी, 2026 तक चुनाव कराने का वादा किया है। हालांकि, इस अवधि में अल्पसंख्यकों, विशेषकर हिंदुओं पर हमले तथा मीडिया पर दबाव भी पड़े हैं।

पिछले दिनों शरीफ उस्मान हादी की मौत हो गई। यूनुस सरकार ने इसे सुनियोजित हमला बताया और जांच का भरोसा दिलाया है। हादी की मौत के चलते ढाका में हजारों प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतर आए। यह प्रदर्शन जल्द ही हिंसक हो गया और प्रदर्शनकारियों ने

प्रमुख मीडिया हाउसों को निशाना बनाया। पहले बांग्ला दैनिक 'प्रथम आलो' के कार्यालय और उसके बाद 'द डेली स्टार' की इमारत पर हमला हुआ। इन दोनों अखबारों के प्रकाशन और ऑनलाइन ऑपरेशंस प्रभावित हुए हैं। प्रदर्शनकारी इन मीडिया हाउसों को 'भारत समर्थक' या 'यूनुस सरकार समर्थक' मानते थे। कुछ रिपोर्टों में तो प्रदर्शनकारियों ने भारत को हादी की हत्या का जिम्मेदार ठहराया। इससे भारत-विरोधी नारे और बढ़ गए। इस समय बांग्लादेश में मीडिया पर हमले, प्रेस की स्वतंत्रता पर खतरा और पत्रकारों को निशाना बनाना लोकतंत्र के लिए खतरनाक है। बेशक अंतरिम सरकार ने इन हमलों की निंदा की है, जबकि विपक्षी दल इसे सरकार की नाकामी बता रहे हैं। भारत के लिए चिंता का विषय है कि इन अखबारों को अक्सर भारत समर्थक माना जाता है। यदि भारत-विरोधी तत्व मीडिया को निशाना बना रहे हैं, तो इससे द्विपक्षीय संबंध और भी तनावपूर्ण हो सकते हैं। भारत ने सुरक्षा कारणों से इन घटनाओं के बीच अपने वीजा आवेदन केंद्र बंद कर दिए हैं। इधर, भारत ने बांग्लादेश के राजदूत को तलब कर चिंता जताई और कट्टर तत्वों की गतिविधियों पर आपत्ति दर्ज की है। भारत का कहना है कि अंतरिम सरकार मिशनों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में असफल रही है। हजारों बांग्लादेशी जो मेडिकल, शिक्षा या परिवार से मिलने भारत आते हैं, प्रभावित हुए हैं। हसीना सरकार के जाने के बाद जमात-ए-इस्लामी जैसे समूह सक्रिय हो गए हैं और अल्पसंख्यकों पर हमले बढ़े हैं। भारत ने बार-बार इस पर विरोध जताया है। हादी जैसे भारत-विरोधी नेता, जो कभी 'ग्रेटर बांग्लादेश' जैसे विचारों से जुड़े थे, प्रदर्शनों में भारत को निशाना बनाकर इस भावना को प्रदर्शित करते हैं। इधर यूनुस सरकार इन तत्वों को नियंत्रित नहीं कर पा रही।

चुनाव फरवरी, 2026 में हैं, लेकिन अस्थिरता से देरी हो सकती है। अस्थिरता के चलते इस समय भारतीय सीमा पर घुसपैठ, आतंकवाद या शरणार्थी संकट बढ़ सकता है। बांग्लादेश की वर्तमान स्थिति 'उथल-पुथल' जैसी है। यह एक संक्रमण काल है, जहां छात्र आंदोलन से निकले नेता, कट्टरपंथी तत्व और पुरानी पार्टियां संघर्ष कर रही हैं। इस पर भारत को सतर्क रहकर कूटनीतिक समाधान तलाशना चाहिए। भारत को इस समय हिंदू अल्पसंख्यकों की सुरक्षा और प्रेस स्वतंत्रता पर ध्यान देना होगा, साथ ही बांग्लादेश की संवेदनशील स्थिति पर नजर रखनी होगी।

निर्णायक फैसलों से बदलेगी दुनिया की तकदीर

अब वक्त है कि विश्व आर्थिक मंच को शक्ति दी जाए। दावोस में ऐसे निर्णय लिए जाएं जो दुनिया में व्यापार, उत्पादन और निवेश का रुख बदल दें। पिछड़े देशों की समस्याएं- महंगाई, भ्रष्टाचार और बेरोजगारी के समाधान केवल पलायन में नहीं हैं। इन देशों की युवा शक्ति का समुचित उपयोग जरूरी है। अब समय आ गया है कि सार्वजनिक और निजी क्षेत्र सामूहिक रूप से बदलती वास्तविकताओं को स्वीकार करें और नई सशक्त आवाज के साथ दुनिया के व्यापार और निवेश को प्रभावित करने वाली शक्तियों का सामना करें।

सुरेश सेठ

पिछले कुछ दशकों में दुनिया का स्वरूप तेजी से बदला है। अब वैश्विक व्यवस्था केवल अमेरिका-पश्चिम और रूस जैसे दो ध्रुवों तक सीमित नहीं रही। एक तीसरा प्रभावशाली समूह उभरा है, जिसमें एशिया और अफ्रीका के वे देश शामिल हैं जिन्होंने उपनिवेशवाद से मुक्त होकर मेहनत, दूरदर्शी नेतृत्व और निवेश के बल पर अपनी पहचान बनाई है। यह बदलाव केवल तेल उत्पादक देशों तक सीमित नहीं है। इन उभरते राष्ट्रों में भारत प्रमुख है, जिसकी अनदेखी आज किसी भी वैश्विक शक्ति के लिए संभव नहीं रही। भारत में हुए जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान अफ्रीकी देशों की उभरती शक्ति को तीसरी दुनिया की नई ताकत के रूप में वैश्विक मान्यता मिली।

इसके बावजूद, दूसरे विश्व युद्ध के बाद बने कई अंतरराष्ट्रीय मंच आज भी पुराने ढांचे में जकड़े हैं। यदि इन संस्थाओं को बदलते समय के अनुरूप ढाला जाए, तो वैश्विक व्यवस्था में बड़ा सकारात्मक परिवर्तन संभव है। आज दुनिया युद्ध, तनाव और पर्यावरण संकट जैसी गंभीर चुनौतियों से जूझ रही है। हथियार उत्पादक देश अपने व्यावसायिक हितों के लिए संघर्ष को बढ़ावा दे रहे हैं। वहीं, पर्यावरण प्रदूषण की जिम्मेदारी लेने से बड़े देश बचते हैं और इसे विकासशील देशों पर थोप देते हैं, जिससे वैश्विक स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। अब एक महत्वपूर्ण अवसर सामने है दावोस सम्मेलन। आगामी 19 से 23 जनवरी तक होने वाला यह विश्व का व्यापक प्रतिनिधित्व करने वाला आर्थिक सम्मेलन होगा, जिसमें 103 देशों के लगभग 3,000 वैश्विक नेता और 60 राष्ट्राध्यक्ष भाग लेंगे। भारत की इसमें व्यापक और उत्साहपूर्ण भागीदारी तय है। महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री शामिल होंगे, साथ ही केंद्रीय मंत्री, प्रमुख उद्योगपति, कॉरपोरेट नेता, बैंकों के प्रमुख और सार्वजनिक उपक्रमों के शीर्ष अधिकारी भी उपस्थित रहेंगे। रिलायंस, टाटा, बजाज और भरतिया जैसे बड़े कारोबारी समूह भी भाग लेंगे।

भारत से भी 100 से अधिक सीईओ दावोस जा रहे हैं। जी-7 और जी-20 तथा ब्रिक्स देशों के साथ अन्य देशों के नेता व अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के प्रमुख भी इस सम्मेलन में शामिल होंगे। यह मंच तीसरी दुनिया की उभरती शक्ति, उसके उत्पादकों और निवेशकों को आगे लाने तथा वैश्विक आर्थिक अवरोधों पर ठोस चर्चा का सुनहरा अवसर है। सवाल है कि संयुक्त राष्ट्र संघ की आर्थिक और कल्याण शाखाएं आज भी अमेरिका और अन्य समृद्ध देशों द्वारा ही निर्देशित क्यों होती हैं? आज वैश्विक मंच पर नए उभरते देशों के प्रतिनिधि इसमें क्यों शामिल नहीं किए जाते?

भारत जैसी शक्ति के वैश्विक योगदान के बावजूद उसे संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में छठी वीटो पावर क्यों नहीं दी गई? अगर जी-20 का सम्मेलन भारत में नहीं होता, तो क्या अफ्रीकी देशों को उनका उचित स्थान संयुक्त राष्ट्र में मिल पाता? दरअसल, हकीकत यह है कि आज संयुक्त राष्ट्र क्रमशः निष्प्रभावी संस्था बनता जा रहा है। पिछले तीन वर्षों से रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध चल रहा है, जबकि लंबे समय से संघर्ष विराम के बावजूद इस्त्राइल और हमास का संघर्ष जारी है। इसमें अन्य इस्लामिक देश कभी प्रत्यक्ष, कभी अप्रत्यक्ष रूप से शामिल हो रहे हैं। यदि संयुक्त राष्ट्र सशक्त और निर्णायक होता, तो ये संहारक युद्ध निरंतर नहीं चलते। अब ये अंतरराष्ट्रीय मंच अति-समृद्ध देशों के नियंत्रण में कठपुतली बनते जा रहे हैं, और उभरती शक्तियों की वास्तविक क्षमता को न पहचानने के कारण निष्क्रिय साबित हो रहे हैं।

अब वक्त है कि विश्व आर्थिक मंच को शक्ति दी जाए। दावोस में ऐसे निर्णय लिए जाएं जो दुनिया में व्यापार, उत्पादन और निवेश का रुख बदल दें। पिछड़े देशों की समस्याएं- महंगाई, भ्रष्टाचार और बेरोजगारी के समाधान केवल पलायन में नहीं हैं। इन देशों की युवा शक्ति का समुचित उपयोग जरूरी है। अब समय आ गया है कि सार्वजनिक और निजी क्षेत्र सामूहिक रूप से बदलती वास्तविकताओं को स्वीकार करें और नई सशक्त आवाज के साथ दुनिया के व्यापार और निवेश को प्रभावित करने वाली शक्तियों का सामना करें। भारत में इसके लिए तैयारी जारी है, और निजी क्षेत्र लगातार सचेत है। सार्वजनिक क्षेत्र को निजी क्षेत्र के साथ तालमेल बैठाकर नई प्राथमिकताएँ अपनानी चाहिए। सबसे बड़ी प्राथमिकता पर्यावरण प्रदूषण और ग्लोबल वार्मिंग से मुकाबला करना है। समृद्ध देश अभी तक इसमें जिम्मेदारी लेने से बचते रहे हैं। दुनिया में आर्थिक मंदी के हालात लगातार बढ़ रहे हैं। दावोस का विश्व आर्थिक मंच केवल कल्पना नहीं, बल्कि निर्णायक फैसले लेकर नई आर्थिक दुनिया बनाने का अवसर है।

खुशियां बांटने का त्यौहार है क्रिसमस डे

ईसाई धर्म का प्रमुख त्योहार क्रिसमस पूरी दुनिया में धूमधाम से मनाया जाता है। ईसाई ईसा मसीह के जन्म के उपलक्ष्य में क्रिसमस मनाते हैं, जिन्हें वे ईश्वर का पुत्र मानते हैं। क्रिसमस का एक और महत्वपूर्ण पहलू लाल, सुनहरे और हरे रंग का उपयोग है। ये रंग त्योहार के रंगों को दर्शाते हैं। जबकि लाल ईसा मसीह के खून का प्रतीक है, सोना तीन राजाओं के उपहारों में से एक है और हरा रंग अनंत जीवन का रंग है। क्रिसमस के दिन लोग एक दूसरे को गिफ्ट देते हैं और केक काटकर क्रिसमस का आनंद उठाते हैं।

इस त्योहार में केक और गिफ्ट के अलावा एक और चीज का विशेष महत्व होता है, वह है क्रिसमस ट्री। हर साल क्रिसमस के पर्व पर लोग घर में क्रिसमस ट्री लगाते हैं। इस बार क्रिसमस गुरुवार को मनाया जाएगा।

क्रिसमस ट्री

क्रिसमस ट्री को लेकर कई तरह की मान्यताएं प्रचलित हैं। एक मान्यता के अनुसार, 16वीं सदी के ईसाई धर्म के सुधारक मार्टिन लूथर ने शुरू की थी। कहा जाता है कि मार्टिन लूथर 24 दिसंबर की शाम को एक बर्फीले जंगल से जा रहे थे, जहां उन्होंने एक सदाबहार के पेड़ को देखा। पेड़ की डालियां चांद की रोशनी से चमक रही थीं। इसके बाद मार्टिन लूथर ने अपने घर पर भी सदाबहार का पेड लगाया और इसे छोटे- छोटे कैंडल से सजाया। इसके बाद बाद उन्होंने जीसस क्राइस्ट के जन्मदिन के सम्मान में भी सदाबहार के पेड़ को सजाया और इस पेड़ को कैंडल की रोशनी से प्रकाशित किया।

बच्चों को खिलाएं केक

यह दिन बच्चों को बेहद पसंद होता है। इसी के चलते क्रिसमस डे के दिन बच्चों की मनपसंद चीजें बनाई जाती हैं। आजकल के बच्चों को केक सबसे ज्यादा पसंद होता है। बच्चों के लिए घर में केक बनाकर खिलाएं। और बच्चों को इस दिन सेंटा क्लाथ गिफ्ट भी देते हैं। जिससे बच्चे खुश हो जाते हैं।

बच्चे की कुर्बानी

एक बार जर्मनी के सेंट बोनिफेस को पता चला कि कुछ लोग एक विशाल ओक ट्री के नीचे एक बच्चे की कुर्बानी देंगे। इस बात की जानकारी मिलते ही सेंट बोनिफेस ने बच्चे को बचाने के लिए ओक ट्री को काट दिया। उसी ओक ट्री की जड़ के पास एक फर ट्री या सनोबर का पेड़ उग गया। लोग इस पेड़ को चमत्कारिक मानने लगे। सेंट बोनिफेस ने लोगों को बताया कि यह एक पवित्र दैवीय वृक्ष है और इसकी डालियां स्वर्ग की ओर संकेत करती हैं। मान्यता है कि तब से लोग हर साल जीसस के जन्मदिन पर उस पवित्र वृक्ष को सजाने लगे।

क्रिसमस डे का महत्व

ईसाई धर्म में आस्था रखने वाले लोगों के लिए क्रिसमस धार्मिक महत्व का दिन है। इस दिन ये लोग ईसा मसीह को याद करते हैं। उनके बलिदानों को याद करते हैं और सामूहिक सेवा करते हैं। कई लोग इस दिन को आध्यात्मिक जीवन का सत्य मानते हैं। उनका मानना है कि यीशु के जन्म से पहले दुनिया नफरत, लालच और पाखंड से भरी थी, हालांकि यीशु के जन्म से सभी बुरी चीजें खत्म हो गई और दुनिया में खुशियां छा गईं। ईसाई दुनिया के इस परिवर्तन का जश्न मनाते हैं जो यीशु के जन्म के बाद हुआ था। चूंकि वह संपूर्ण मानवता को सभी पीड़ाओं से बचाने के लिए आए थे, इसलिए सूली पर चढ़ने के दौरान उनके अंतिम बलिदान को याद किया जाना चाहिए।

क्रिसमस का इतिहास

ऐसा माना जाता है कि ईसा मसीह का जन्म 6 से 4 ईसा पूर्व के बीच हुआ था। क्रिसमस एक वार्षिक आयोजन है जो अत्यधिक धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व रखता है। क्रिसमस नाम मास ऑफ क्राइस्ट शब्द से लिया गया है। रिकॉर्ड के अनुसार, क्रिसमस मनाने की पहली दर्ज तारीख 336 में थी, यह रोमन सम्राट कॉन्स्टेंटाइन के समय के दौरान था, जो पहले ईसाई रोमन सम्राट थे। क्रिसमस के उत्सव के बारे में सबसे आम कहानी वह थी जब यीशु की मां मैरी को बताया गया था कि वह प्रभु से एक विशेष बच्चे को जन्म देगी। कहा जाता है कि मदर मैरी को ये भविष्यवाणी 25 मार्च को मिली थी और नौ महीने बाद 25 दिसंबर को ईसा मसीह का जन्म हुआ था। ग्रेगोरियन कैलेंडर, जिसके आधार पर आज क्रिसमस मनाया जाता है, उस समय अस्तित्व में नहीं था इसलिए इसका कोई प्रमाण नहीं है कि उनका जन्म 25 दिसंबर को हुआ था।

हंसना मना है

सिपाही-घटना स्थल से थानेदार को फोन लगाकर बोला, जनाब यहां एक औरत ने अपने पति को गोली मारकर हत्या कर दी! थानेदार-क्यों? सिपाही- क्योंकि उसका पति पोछा लगे हुए गीले फर्श पर चलने लगा था! थानेदार-तुमने गिरफ्तार कर लिया उसको! सिपाही- नहीं साहब, पोछा अभी सूखा नहीं है.!

एक मुर्गी के बच्चे ने अपनी मां से पूछा? मां- इंसान पैदा होते ही अपना नाम रख लेते हैं, हमलोग अपना नाम क्यों नहीं रखते, मां ने कहां-बेटा, अपनी बिरादरी में नाम मरने के बाद रखा जाता है! चिकेन टिक्का, चिकेन चिली, चिकेन तंदूरी, चिकेन मलाई, चिकेन कढ़ाई..

परीक्षा में एक लड़की ने बगल वाली सीट पर बैठे लड़के से पूछा कि यमक अलंकार की परिभाषा बताओ एक उदाहरण के साथ, लड़का बोला- जब एक ही शब्द दो बार आवे और दोनों शब्दों का अर्थ भिन्न भिन्न हो तो उसे यमक अलंकार कहते हैं, जैसे- तुम रूठा ना करो, मेरी जान! मेरी जान निकल जाती है। लड़के को नोबल पुरस्कार देने पर विचार किया जा रहा है?

कहानी | गौरैया और घमंडी हाथी

एक पेड़ पर एक चिड़िया अपने पति के साथ रहा करती थी। चिड़िया सारा दिन अपने घोंसले में बैठकर अपने अंडे सेती रहती थी और उसका पति दोनों के लिए खाने का इंतजाम करता था। वो दोनों बहुत खुश थे और अंडे से बच्चों के निकलने का इंतजार कर रहे थे। एक दिन चिड़िया का पति दाने की तलाश में अपने घोंसलें से दूर गया हुआ था और चिड़िया अपने अंडों की देखभाल कर रही थी। तभी वहां एक हाथी मदमस्त चाल चलते हुए आया और पेड़ की शाखाओं को तोड़ने लगा। हाथी ने चिड़िया का घोंसला गिरा दिया, जिससे उसके सारे अंडे फूट गए। चिड़िया को बहुत दुख हुआ। उसे हाथी पर बहुत गुस्सा आ रहा था। जब चिड़िया का पति वापस आया, तो उसने देखा कि चिड़िया हाथी द्वारा तोड़ी गई शाखा पर बैठी रो रही है। चिड़िया ने पूरी घटना अपने पति को बताई, जिसे सुनकर उसके पति को भी बहुत दुख हुआ। उन दोनों ने घमंडी हाथी को सबक सिखाने का निर्णय लिया। वो दोनों अपने एक दोस्त कठफोड़वा के पास गए और उसे सारी बात बताई। कठफोड़वा बोला कि हाथी को सबक मिलना ही चाहिए। कठफोड़वा के दो दोस्त और थे, जिनमें से एक मधुमक्खी थी और एक मेंढक था। उन तीनों ने मिलकर हाथी को सबक सिखाने की योजना बनाई, जो चिड़िया को बहुत पसंद आई। अपनी योजना के तहत सबसे पहले मधुमक्खी ने हाथी के कान में गुनगुनाना शुरू किया। हाथी जब मधुमक्खी की मधुर आवाज में खो गया, तो कठफोड़वे ने आकर हाथी की दोनों आखें फोड़ दी। हाथी दर्द के मारे चिल्लाने लगा और तभी मेंढक अपने परिवार के साथ आया और एक दलदल के पास टर्राटराने लगा। हाथी को लगा कि यहां पास में कोई तालाब होगा। वह पानी पीना चाहता था, इसलिए दलदल में जाकर फंसा। इस तरह चिड़िया ने मधुमक्खी, कठफोड़वा और मेंढक की मदद से हाथी से बदला ले लिया।

7 अंतर खोजें

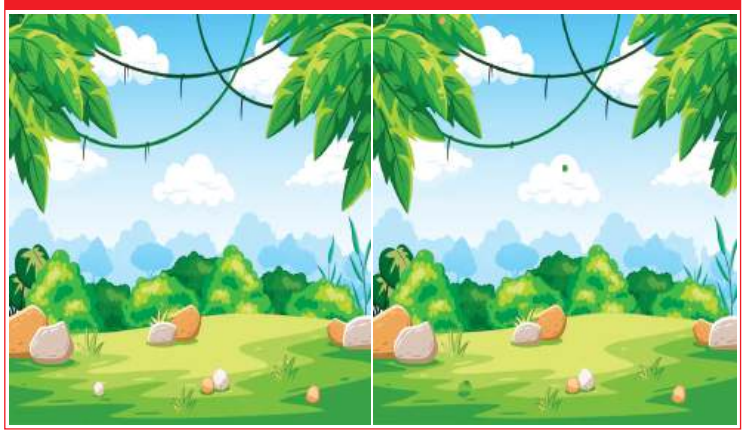

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। यात्रा व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। कानूनी मामलों में लापरवाही न करें।

वृषभ विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। पारिवारिक जिम्मेदारी का पूर्ण ध्यान रखें।

मिथुन बुरी खबर मिल सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। दौड़धूप अधिक होगी। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। मकान व जमीन संबंधी कार्य बनेंगे। सामाजिक कार्यों में सीमित रहें।

कर्क मेहनत का फल मिलेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। निवेश, यात्रा व नौकरी लाभ देंगे। अपने प्रयासों से उन्नति पथ प्रशस्त करेंगे।

सिंह अतिथियों का आगमन होगा। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। प्रसन्नता रहेगी। स्वाभिमान रहेगा। प्रमाद न करें। बुद्धि चातुर्य से कठिन कार्य भी आसानी से बनेंगे।

कन्या यात्रा, निवेश व नौकरी मनोनुकूल रहेंगे। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। भौतिक विकास के कार्यों को बल मिलेगा। भागीदारी के प्रस्ताव आएँगे। दिनचर्या नियमित रहेगी।

तुला क्रोध पर नियंत्रण रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। दूसरों पर अतिविश्वास न करें। नई योजनाओं का सूत्रपात होगा। आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी।

वृश्चिक लेन-देन में सावधानी रखें। पुरानी लेनदारी वसूल होगी। यात्रा सफल रहेगी। प्रसन्नता रहेगी। प्रमाद न करें। नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति होगी। लाभ होगा।

धनु योजना फलीभूत होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। प्रसन्नता रहेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। अधूरे पड़े कार्य पूरे होंगे। जीवनसाथी से संबंधों में मधुरता आएगी।

मकर धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। सत्संग का लाभ मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। प्रमाद न करें। नए प्रस्ताव प्राप्त होंगे। सुखद यात्रा के योग हैं।

कुम्भ वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। सोच-समझकर व्यय करें। व्यापार लाभप्रद रहेगा।

मीन प्रेम-प्रसंग में सफलता मिलेगी। कानूनी बाधा दूर होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। परोपकारी स्वभाव होने से दूसरों की मदद कर पाएंगे।

बॉलीवुड | मन की बात

अपने ही घर पर डरीं उर्फी जावेद, बुलाना पड़ा पुलिस

टी वी और सोशल मीडिया की चर्चित पर्सनालिटी उर्फी जावेद एक बार फिर सुर्खियों में हैं, लेकिन इस बार वजह उनका फैशन नहीं बल्कि एक डरावना अनुभव है। बीते दिनों उर्फी के साथ ऐसी घटना घटी, जिसने उन्हें बुरी तरह डरा दिया। आधी रात उनके घर के बाहर दो अंजान लोगों की मौजूदगी और लगातार बेल बजाने की हरकत ने न सिर्फ उनकी नींद उड़ा दी, बल्कि उन्हें सुबह तड़के पुलिस थाने तक जाने पर मजबूर कर दिया। घटना 22 दिसंबर की रात की बताई जा रही है। उर्फी जावेद के मुताबिक, रात करीब साढ़े तीन बजे उनके घर की डोर बेल लगातार बजने लगी। शुरुआत में उन्हें लगा कि कोई गलती से बेल बजा रहा होगा, लेकिन जब यह सिलसिला कई मिनटों तक नहीं रुका तो उनकी चिंता बढ़ गई। बाद में पता चला कि घर के बाहर एक नहीं बल्कि दो लोग मौजूद थे, जो जाने का नाम नहीं ले रहे थे। उर्फी ने बताया कि जब उन्होंने इंटरकॉम या दरवाजे के पास से उन लोगों से बात करने की कोशिश की और वहां से चले जाने को कहा, तो उन्होंने साफ मना कर दिया। हालात उस वक्त और डरावने हो गए जब उन लोगों ने दरवाजा खोलने का दबाव बनाना शुरू किया। एक अकेली महिला के लिए यह स्थिति कितनी भयावह हो सकती है, इसका अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं है। हालात बिगड़ते देख उर्फी जावेद ने पुलिस को फोन किया। पुलिस के पहुंचने के बाद भी दोनों शख्स का रवैया नहीं बदला। उर्फी के अनुसार, वो न सिर्फ उनके साथ बल्कि पुलिसकर्मियों के साथ भी बदतमीजी करते रहे और अपने किए से इनकार करते रहे। बार-बार 'निकल' जैसे शब्दों का इस्तेमाल कर माहौल और तनावपूर्ण बना दिया गया। बाद में जानकारी मिली कि दोनों लोग उसी बिल्डिंग में रहने वाले थे। इस पूरी घटना ने उर्फी जावेद को अंदर तक झकझोर दिया। उन्होंने कहा कि जब कोई रात के तीन बजे किसी महिला के घर के बाहर खड़ा होकर दरवाजा खोलने के लिए कहे और मना करने पर भी वहां से न जाए, तो यह बेहद डराने वाला अनुभव होता है। खासतौर पर तब, जब महिलाएं अकेली रहती हों।

अगस्त्य की इक्कीस देखकर भावुक हुए अमिताभ बच्चन

अमिताभ बच्चन ने अपनी नाती अगस्त्य नंदा की आने वाली फिल्म 'इक्कीस' देखने के बाद भावनाएं साझा कीं। बिग बी फिल्म देखने के बाद काफी भावुक हो गए और उनकी फीलिंग्स साफ तौर पर छलक पड़ीं। उन्होंने इसे केवल एक नाना की प्रतिक्रिया नहीं, बल्कि सिनेमा को गंभीरता से देखने वाले दर्शक की राय बताया।

इक्कीस भारतीय सेना के जांबाज अफसर सेकंड लेफ्टिनेंट अरुण खेत्रपाल के असाधारण जीवन पर आधारित एक बायोग्राफिकल वॉर ड्रामा है। यह फिल्म उस वीर सैनिक की कहानी कहती है, जिन्हें 1971 के भारत-पाक युद्ध में अद्भुत साहस दिखाने के लिए परमवीर चक्र से सम्मानित किया गया था। खास बात यह है कि अरुण खेत्रपाल भारत के सबसे कम उम्र के परमवीर चक्र विजेता थे। फिल्म का निर्देशन राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक श्रीराम राघवन ने किया है और यह 1 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

अमिताभ बच्चन ने अपने ब्लॉग के जरिए फिल्म देखने के अनुभव को साझा किया। उन्होंने लिखा कि अगस्त्य को स्क्रीन पर देखकर उनके मन में बीते वर्षों की कई यादें एक साथ उमड़ पड़ीं- जन्म से लेकर बड़े होने तक का सफर। लेकिन इन भावनाओं से अलग, उन्होंने अगस्त्य के अभिनय की भी खुलकर सराहना की।

सिमर भाटिया भी आएंगी नजर

फिल्म को लेकर दर्शकों में पहले से ही उत्सुकता है। अगस्त्य नंदा के साथ इसमें सिमर भाटिया भी नजर आएंगी, जो अभिनेता अक्षय कुमार की भांजी हैं और इस फिल्म से अभिनय की दुनिया में कदम रख रही हैं। इसके अलावा दिवंगत अभिनेता धर्मेंद्र को भी इस फिल्म में मरणोपरांत देखा जाएगा। बताया जाता है कि धर्मेंद्र की इच्छा थी कि इस फिल्म को भारत और पाकिस्तान- दोनों देशों के लोग देखें, ताकि युद्ध के पीछे छिपे मानवीय और भावनात्मक पहलू सामने आ सकें।

नागिन 7 में लीड रोल अदा करेंगी प्रियंका चाहर चौधरी

बॉलीवुड | छोटा पर्दा

छोटे पर्दे की क्वीन एकता कपूर के लोकप्रिय सीरियल नागिन का सातवां सीजन शुरू होने वाला है। इसकी प्रीमियर डेट नजदीक आ रही है। इसी के साथ कास्ट को लेकर भी नई-नई अपडेट आ रही हैं। शो में लीड रोल एक्ट्रेस प्रियंका चाहर चौधरी अदा करेंगी। उनके साथ एक लोकप्रिय एक्टर की शो में एंट्री हुई है। शो से साहिल उप्पल जुड़ गए हैं।

रियलिटी शो 'बिग बॉस 16' और 'उडारियां' जैसे शोज में काम कर चुकीं प्रियंका चाहर चौधरी नागिन 7 में लीड रोल अदा करेंगी। टेलीचक्कर की एक रिपोर्ट के मुताबिक शो में साहिल उप्पल लीड रोल में नजर आएंगे। हालांकि, इसे लेकर अभी पांड्या स्टोर फेम साहिल की तरफ से कोई पुष्टि नहीं की गई है। यह शो 27 दिसंबर से शुरू होगा। इसके दर्शक रात आठ बजे कलर्स पर देख सकेंगे।

मंगलवार को इस शो को लेकर मेकर्स ने प्रेस कांफ्रेंस आयोजित की। इस दौरान नागिन 7 की कास्ट नजर आई। प्रेस इवेंट में प्रियंका चाहर गोल्डन कलर की ड्रेस में पहुंचीं। वह अपने शो में निभाए जाने वाले किरदार के लुक में नजर आईं। इस दौरान नमिक पॉल भी नजर आए। प्रियंका चाहर और नमिक पॉल ने साथ में पोज दिए। प्रियंका चाहर, नमिक पॉल और साहिल उप्पल के अलावा नागिन 7 में ईशा सिंह, विहान वर्मा, रिब्बू मेहरा, कुशाग्र दुआ, प्रतीक्षा राय, निवेदिता पाल और आफरीन दबेस्तानी भी अहम भूमिका अदा करते दिखेंगे। इतनी शानदार स्टारकास्ट के साथ वापसी कर रहे इस शो को लेकर दर्शक भी उत्साहित हैं।

अजब-गजब | शराब को पेय ही नहीं बल्कि माना जाता है आत्मसमर्पण का प्रतीक

क्रिसमस की अनोखी परंपरा, 25 दिसंम्बर के दिन चर्च में क्यों चढ़ाई जाती है शराब?

हर साल 25 दिसंबर को दुनियाभर में क्रिसमस का पर्व बड़े ही उल्लास, श्रद्धा और आस्था के साथ मनाया जाता है। यह दिन ईसाई धर्म के संस्थापक प्रभु यीशु मसीह (ईसा मसीह) के जन्म का प्रतीक माना जाता है। इस खास मौके पर चर्चों को सजाया जाता है, प्रार्थनाएं होती हैं, भजन गाए जाते हैं और चर्च में शराब चढ़ाई जाती है, जिसे लेकर कई लोगों के मन में सवाल उठता है- आखिर क्रिसमस में ऐसा क्यों किया जाता है? यह परंपरा सिर्फ एक रस्म नहीं, बल्कि इसके पीछे ईसाई धर्म का गहरा ऐतिहासिक और आध्यात्मिक अर्थ छिपा हुआ है।

बता दें कि, क्रिसमस केवल उत्सव का दिन नहीं है, बल्कि यह प्रभु यीशु के जीवन, उनके उपदेशों और मानवता के लिए दिए गए बलिदान को याद करने का अवसर भी है। ईसाई मान्यताओं के अनुसार, यीशु मसीह का जन्म मानव जाति को पापों से मुक्ति और प्रेम, क्षमा तथा करुणा का संदेश देने के लिए हुआ था। इसी वजह से इस दिन चर्चों में विशेष प्रार्थना सभाएं होती हैं।

ईसाई धर्म में शराब चढ़ाने की परंपरा का

उल्लेख बाइबल में मिलता है। इसे प्रभु यीशु के जीवन की एक अत्यंत महत्वपूर्ण घटना से जोड़ा जाता है, जिसे 'अंतिम भोज' कहा जाता है। ईसा मसीह ने अपने क्रूस पर चढ़ाए जाने से पहले अपने शिष्यों के साथ अंतिम बार भोजन किया था। इसी भोज के दौरान उन्होंने अपने अनुयायियों को रोटी और शराब दी। यीशु ने रोटी को अपने शरीर और शराब को अपने रक्त का प्रतीक बताया। उन्होंने यह संदेश दिया कि उनका बलिदान मानवता के पापों के प्रायश्चित के लिए होगा। यही घटना आगे चलकर ईसाई धर्म की एक केंद्रीय धार्मिक परंपरा बन गई।

चर्च में शराब और रोटी चढ़ाने की परंपरा को 'यूखारिस्ट' या 'पवित्र भोज' कहा जाता है। इस धार्मिक अनुष्ठान में रोटी और शराब को प्रतीकात्मक रूप से यीशु मसीह के शरीर और रक्त के रूप में स्वीकार किया जाता है। क्रिसमस के दिन इस परंपरा का और भी ज्यादा महत्व इसलिए होता है क्योंकि यह प्रभु यीशु के जन्म और उनके बलिदान दोनों को एक साथ याद करने का अवसर देता है।

ईसाई मान्यताओं में शराब को सिर्फ एक पेय नहीं माना जाता, बल्कि यह बलिदान, पवित्रता, प्रेम और आत्मसमर्पण का प्रतीक है। इसे ग्रहण करना यह दिखाता है कि व्यक्ति यीशु मसीह के बताए मार्ग-प्रेम, सेवा और करुणा को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प ले रहा है। क्रिसमस के दिन शराब चढ़ाने की परंपरा प्रभु यीशु के जन्म के साथ-साथ उनके जीवन उद्देश्य और मानवता के लिए दिए गए त्याग को याद दिलाती है। यह अनुष्ठान ईसाई समुदाय को आध्यात्मिक रूप से एकजुट करता है और उनके विश्वास को और मजबूत करता है।

कभी यहां रहते थे 15000 लोग, लेकिन अब ये है वीरान, बन चुका है भुतिया शहर

कल्पना कीजिए एक ऐसे शहर की जहां हजारों लोग रहते हों, स्कूल और अस्पताल चलते हों, लेकिन वहां आने-जाने के लिए एक भी सड़क मौजूद न हो। इतना ही नहीं, कभी इस शहर में 15 हजार लोग रहते थे, लेकिन अब ये वीराना या यूं कहें कि भुतिया शहर बन चुका है, जहां कोई नहीं रहता। एंडीज पर्वतमाला की दुर्गम ऊंचाइयों पर बसा यह शहर सेवेल है, जो इंजीनियरिंग की मिसाल है। आज यह शहर पूरी तरह वीरान है, लेकिन इसकी खामोश दीवारें उस दौर की गवाह हैं, जब यहां बस्ती हुआ करती थी, लोगों की चहल-पहल हुआ करती थी और बिना किसी गाड़ी या सड़क के यह शहर दुनिया को तांबा दे रहा था। चिली के माचाली इलाके में एंडीज पहाड़ों की ढलानों पर समुद्र तल से करीब 2000 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह शहर अब 'घोस्ट टाउन' बन चुका है। सेवेल को साल 1905 में ब्रेडन कॉपर कंपनी ने बसाया था। इस शहर के निर्माण का मुख्य उद्देश्य दुनिया की सबसे बड़ी भूमिगत ताबे की खदान 'एल टेनिएंटे' में काम करने वाले मजदूरों और उनके परिवारों को रहने की जगह देना था। यह चिली का पहला ऐसा शहर था, जिसे पूरी तरह से एक कंपनी ने अपने संसाधनों को निकालने और प्रोसेस करने के लिए स्थापित किया था। सेवेल की सबसे चौंकाने वाली बात इसकी बनावट थी। एंडीज की खड़ी और पथरीली ढलानों पर बसे होने के कारण यहां कोई भी समतल सड़क बनाना नामुमकिन था। ऐसे में यहां सीढ़ियां बनाई गईं, जो रेलवे स्टेशन से शुरू होकर शहर के सबसे ऊपरी हिस्से तक जाती थी। शहर की मुख्य गतिविधियां इसी सीढ़ी के आसपास होती थीं। इसी रास्ते में अनियमित आकार के खूबसूरत चौराहे बनाए गए थे, जहां सजावटी पेड़ और पौधे लगाए गए थे, जो लोगों के मिलने-जुलने की मुख्य जगह हुआ करते थे। सड़कों की जगह सीढ़ियों वाले इस शहर की इमारतें लकड़ी की बनी थीं और उन्हें चटकीले हरे, पीले, लाल और नीले रंगों से रंगा गया था, जो बर्फ से ढके पहाड़ों के बीच किसी पेंटिंग की तरह नजर आती थीं। शुरुआत में सेवेल खदान के पास एक छोटा सा कैंप हुआ करता था। साल 1915 में ब्रेडन के पार्टनर बार्टन सेवेल के सम्मान में इसका नाम 'सेवेल' रखा गया। इसके बाद शहर का बुनियादी ढांचा तेजी से विकसित हुआ।

एकबार फिर केजरीवाल व एलजी में रार

दिल्ली एलजी के लेटर बम से मचा कोहराम

आप बोली- जिम्मेदारी से भाग रही भाजपा सरकार

» प्रदूषण के लिए आप सरकार को ठहराया जिम्मेदार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने मंगलवार को अरविंद केजरीवाल को पत्र लिखकर कहा कि 11 वर्षों में उन्होंने दिल्ली की जनता के कल्याण के लिए कुछ नहीं किया, बल्कि अब 10 महीने पुरानी सरकार के प्रयासों का मजाक उड़ा रहे हैं। उन्होंने आम आदमी पार्टी प्रमुख को लिखे पत्र में कहा कि आजकल आप खुद आगे नहीं आ रहे हैं, बल्कि पार्टी नेताओं को आगे कर रहे हैं। आप खुद पंजाब जाकर बस गए हैं। उधर इसपर विपक्ष ने कहा कि प्रदूषण जैसे मामले से भाग रही है भाजपा की सरकार।

सक्सेना ने यह भी कहा कि दिल्ली में प्रदूषण के लिए केजरीवाल जिम्मेदार हैं और अगर उन्होंने 11 साल में कुछ किया होता, तो दिल्ली में प्रदूषण की स्थिति इतनी खराब नहीं होती। सक्सेना ने अरविंद केजरीवाल को प्रदूषण के बारे में उनके पुराने बयान याद दिलाते हुए कहा कि जब आप मुख्यमंत्री थे और मैंने आपसे प्रदूषण के बारे में बात की थी, तो आप कहते थे कि यह 15-20 दिन का हंगामा है। उसके बाद मीडिया इसे भूल जाएगा। गैर-सरकारी संगठन भी इसे भूल जाएंगे। वीके सक्सेना ने कहा कि केजरीवाल ने सिर्फ बड़ी-बड़ी घोषणाएं कीं, कोई काम नहीं किया। सक्सेना ने यह भी कहा कि केजरीवाल हमेशा सबको बेवकूफ नहीं बना सकते। उन्होंने कहा कि आपके साथ भी यही हुआ। दिल्ली की जनता ने आपको हरा दिया। सक्सेना ने यह भी आरोप लगाया कि चुनाव हारने के बाद अरविंद केजरीवाल ने उनका मोबाइल नंबर ब्लॉक कर दिया। उन्होंने दिवाली की बधाई देने के लिए केजरीवाल को फोन किया था, और तभी उन्हें पता चला कि केजरीवाल ने उपराज्यपाल का नंबर ब्लॉक कर दिया है।

सवालों से भाग रही भाजपा सरकार: भूपेंद्र हुड्डा

» कांग्रेस नेता बोले - चंडीगढ़ में विस और अरावली मुद्दे पर सरकार ने नहीं दिया जवाब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़ । हरियाणा कांग्रेस के सीनियर लीडर व विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र हुड्डा ने चंडीगढ़ में भाजपा सरकार पर करारा वार किया है। इस दौरान उन्होंने सैनी सरकार पर जमकर आरोप लगाए। हुड्डा ने कहा कि भाजपा सरकार ने तीन दिन का शीतकालीन सत्र बुलाया था। हमने समय बढ़ाने की मांग की थी। क्योंकि मुद्दे बहुत थे, लेकिन समय नहीं बढ़ाया गया।

अविश्वास प्रस्ताव में हमने जो भी मुद्दे उठाए उनमें से एक का भी जवाब सरकार ने नहीं दिया। हमारा एक भी ध्यानाकर्षण प्रस्ताव या काम रोको प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया गया। हरियाणा में दो खिलाड़ियों की मौत हुई। हम खेल व्यवस्थाओं को का मुद्दा उठाना चाहते थे। हम अरावली का मुद्दा उठाना चाहते थे। हम सरकार से पूछना चाहते थे कि सुप्रीम कोर्ट में सरकार क्या स्टैंड लेगी। वहीं, हुड्डा ने कहा कि सरकार चंडीगढ़ का स्टेट्स को स्पष्ट करे। अगर चंडीगढ़ हरियाणा राजधानी है तो हम विधानसभा के लिए जमीन क्यों नहीं ले सकते। सरकार एसवाईएल मामले को साफ करे। जब सुप्रीम कोर्ट ने फैसला कर दिया है तो बातचीत क्यों की जा रही है। पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल सर्वदलीय बैठक बुलाई थी। जिसमें फैसला हुआ था कि हम राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री से मिलेंगे। प्रधानमंत्री से मुलाकात की जिम्मेदारी पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने ली थी। हम राष्ट्रपति से मिले लेकिन प्रधानमंत्री से मुलाकात नहीं हो पाई। भूपेंद्र हुड्डा ने कहा कि दूसरे राज्यों के युवाओं को हरियाणा में नौकरियां दी जा रही हैं। हम एसआईआर का विरोध नहीं करते हैं। इस पर चर्चा करेंगे। ये लोग ईवीएम की बात करते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा वीवीपैट लगाओ। हम कहते हैं बैलेट पेपर से वोटिंग हो। चुनाव सुधार का मुद्दा चुनाव आयोग के अधिकार में है। हम उस पर चर्चा कैसे कर सकते हैं। नीति आयोग की रिर्पोट के अनुसार फिसकल हेल्थ में हरियाणा 18 में से 14वें नंबर पर है।

जांच के बाद बोलना चाहिए : शत्रुघ्न सिन्हा

» बांग्लादेश में हो रहे हिंसा पर बोले सांसद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बांग्लादेश में हो रही हिंसा के सवाल पर टीएमसी नेता शत्रुघ्न सिन्हा ने कहा हमे हर स्थिति को देखना चाहिए। हमें क्या प्रोवाइड कराया जा रहा है मीडिया के जरिए? पहले हमें इसकी जांच कर लेनी चाहिए और उसके बाद बोलना चाहिए। टीएमसी नेता ने यहां तक कहा कि यूनुस साहब को तो नोबेल प्राइज मिल चुका है। तो इन्हें उम्मीद है कि वो ऐसा कुछ नहीं होने देंगे। सिन्हा ने कहा कि देखिए अत्याचार कहीं भी होता है। ये तो गलत है। ये जाती है। लेकिन मामला दूसरे मुल्क का है। दूसरे मुल्क के मामले में हम लोगों को कहां तक बोलना उचित होगा? शत्रुघ्न सिन्हा ने कहा कि हमारे पास जानकारी जो है वह सही तरीके से आ रही है कि कुछ मीडिया के थ्रू आ रही है।

सही मीडिया के थ्रू आ रही है कि प्रचार के थ्रू आ रहा है। हमें इन बातों को कोई खास जानकारी नहीं है। ये मामला सेंसिटिव इशू अगर आप कहते हैं तो इस मामले को बहुत सोच समझ कर बोलना चाहिए। सही लोगों को बोलना चाहिए। सबको नहीं बोलना चाहिए। हमें ऐसा ही करना चाहिए कि लोगों को न्याय मिले, इंसाफ मिले। जगह-जगह शांति हो। वासुदेव कुटुंबकम का सवाल है। पूरा विश्व जो है एक है तो कहीं किसी पे चाहे किसी मजहब का हो, किसी जात का हो, किसी जाति का हो उसके ऊपर ज्यादती नहीं होनी चाहिए। हम तो यही दुआ करेंगे, यह भी प्रार्थना करेंगे कि वहां के यूनुस साहब जो है नोबेल प्राइज विनर हैं जो कार्यभार संभाला हुआ है प्रेसिडेंट का।

अटल जयंती से पहले सड़क पर उतरे अफसर

» नगर आयुक्त ने सफाई-प्रकाश व सुरक्षा पर दिए सख्त निर्देश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भारत रत्न, पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती के अवसर पर 25 दिसंबर को लखनऊ में आयोजित होने जा रहे भव्य कार्यक्रम और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रस्तावित आगमन को लेकर नगर निगम प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में है। घैला स्थित प्रेरणा स्थल में आयोजित होने वाले इस ऐतिहासिक कार्यक्रम के साथ-साथ स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 को ध्यान में रखते हुए नगर निगम द्वारा शहरभर में व्यवस्थाएं दुरुस्त की जा रही हैं।

इन्हीं तैयारियों का जायजा लेने के लिए नगर आयुक्त गौरव कुमार स्वयं सड़क पर उतरे और नेशनल पीजी कॉलेज से लेकर कुड़िया घाट तक पूरे मार्ग का पैदल निरीक्षण किया। उन्होंने साफ-सफाई, मार्ग प्रकाश, सड़क, फुटपाथ और सुरक्षा से जुड़ी व्यवस्थाओं को बारीकी से परखा और संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही सख्त निर्देश दिए। नगर आयुक्त ने कहा कि कार्यक्रम के दौरान शहर की छवि राष्ट्रीय स्तर पर जाएगी, ऐसे में सफाई व्यवस्था में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने निर्देश दिए कि पूरे मार्ग पर नियमित सफाई कराई जाए, कूड़ा समय से उठे और नालियों की पूरी तरह सफाई सुनिश्चित की जाए। स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 को देखते हुए विशेष सफाई अभियान चलाने के भी निर्देश दिए गए। मार्ग प्रकाश व्यवस्था को लेकर नगर आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जहां-जहां स्ट्रीट लाइटें खराब हैं, उन्हें तत्काल दुरुस्त कराया जाए। साथ ही अतिरिक्त लाइटिंग की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

देश का नेतृत्व नैतिक दुविधा में है : महबूबा

» बांग्लादेश में हिंदू महिलाओं के उत्पीड़न पर जताई चिंता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। पीडीपी नेता महबूबा मुफ्ती ने बांग्लादेश में हिंदू महिलाओं के उत्पीड़न को लेकर चिंता जताते हुए कहा कि ये खबरें बेहद परेशान करने वाली हैं। 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, बांग्लादेश में हिंदू महिलाएं सिंदूर लगाकर बाहर निकलने से डर रही हैं।

मुफ्ती ने कहा कि अपने देश का नेतृत्व नैतिक दुविधा में है क्योंकि यहां अराजक तत्व मुस्लिम महिलाओं का हिजाब जबरदस्ती उतार रहे हैं। उन्होंने कहा, दुख की बात है कि भारतीय नेतृत्व को बांग्लादेशी अधिकारियों के सामने इस गंभीर मुद्दे को उठाने में एक नैतिक दुविधा का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि देश में ही कुछ अराजक तत्व मुस्लिम महिलाओं के हिजाब जबरदस्ती उतारते देखे जा रहे हैं।

भारत ने श्रीलंका को सात विकेट से हराया

» सीरीज में 2-0 की ली बढ़त शेफाली का दूसरे टी20 में पचासा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

विशाखापत्तनम। भारत ने सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा के नाबाद अर्धशतक की मदद से श्रीलंका को दूसरे टी20 मैच में सात विकेट से हराया। भारतीय गेंदबाजों ने श्रीलंका को 20 ओवर में नौ विकेट पर 128 रन के स्कोर पर रोका। जवाब में भारत ने 11.5 ओवर में तीन विकेट पर 129 रन बनाकर मैच जीत लिया। भारत ने इस तरह पांच मैचों की टी20 सीरीज में 2-0 की बढ़त ले ली है। भारत के लिए शेफाली वर्मा ने 34 गेंदों पर 11 चौकों और एक छक्के की मदद से नाबाद 69 रन बनाए।

वहीं, ऋचा घोष एक रन बनाकर नाबाद रहीं। भारत के लिए शेफाली वर्मा और स्मृति मंधाना ने पारी की शुरुआत की, लेकिन ये साझेदारी ज्यादा देर नहीं टिक सकी। इसके बाद जेमिमा रोड्रिग्स और शेफाली वर्मा ने शानदार साझेदारी की। जेमिमा और शेफाली ने आक्रामक बल्लेबाजी की जिससे भारत का स्कोर आठवें ओवर में ही 80 रन के पार पहुंच गया। जेमिमा हालांकि 15 गेंदों पर चार चौकों और एक छक्के की मदद से 26 रन बनाकर आउट हुईं जिससे इस साझेदारी का अंत हुआ। जेमिमा और शेफाली ने दूसरे विकेट के लिए 58 रन जोड़े। इसके बाद कप्तान हरमनप्रीत कौर 12 गेंदों पर 10 रन बनाकर आउट हुईं। पहले बल्लेबाजी करते हुए श्रीलंका की शुरुआत अच्छी नहीं रही। और उसके निश्चित अंतराल पर विकेट गिरते रहे। श्रीलंका की टीम ने आखिरी ओवर में तीन विकेट गंवाए। भारत के लिए वैष्णवी शर्मा और श्री चरणी ने दो-दो विकेट लिए, जबकि क्रांति गौड़ और स्नेह राणा को एक-एक सफलता मिली।

पहली बार गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचीं दीप्ति शर्मा

दुबई। भारतीय महिला टीम की स्टार ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा आईसीसी की जारी नवीनतम टी20 रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंच गई हैं। यह पहली बार है जब दीप्ति गेंदबाजों की रैंकिंग में पहले स्थान पर पहुंची हैं। विशाखापत्तनम में श्रीलंका के खिलाफ घरेलू श्रृंखला के पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में 28 साल की ऑफ स्पिनर दीप्ति ने 20 रन देकर एक विकेट चटकाया और इस प्रदर्शन की बदौलत ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज एनाबेल सदरलैंड को पछाड़कर शीर्ष पर पहुंच गईं। दीप्ति ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज से एक रेटिंग अंक आगे 737 अंक के साथ तालिका में शीर्ष पर हैं। तेज गेंदबाज अरुंधति रेड्डी पांच स्थान के फायदे से 36वें स्थान पर हैं जबकि स्पिनर श्री चरणी 19 स्थान की लंबी छलांग के साथ 69वें स्थान पर पहुंच गईं। विशाखापत्तनम में 44 गेंद में नाबाद 69 रन बनाकर मैच की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुनी गईं जेमिमा रोड्रिग्स पांच स्थान के फायदे से नौवें स्थान पर हैं। भारतीय उपकप्तान स्मृति मंधाना शीर्ष रैंकिंग वाली भारतीय बल्लेबाज बनी हुई हैं। वह तीसरे स्थान पर हैं। शेफाली वर्मा एक स्थान नीचे खिसककर 10वें स्थान पर हैं।

बंद कमरे में मिले 52 ब्राह्मण विधायक, यूपी की सियासत में मचा संग्राम

एमएलए बोले- समुदाय की समस्याओं पर चर्चा करने के लिए एक साथ आए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान, ब्राह्मण समुदाय के विधायकों ने लगभग चार दर्जन विधायकों की उपस्थिति में एक बैठक आयोजित की। बैठक में उपस्थित विधायक रत्नाकर मिश्रा ने बताया कि बैठक का उद्देश्य समुदाय की समस्याओं पर चर्चा करना था। उन्होंने कहा कि इस बैठक का एकमात्र उद्देश्य यह था कि आज हमारा समुदाय बिखर रहा है। पहले तीन पीढ़ियां एक ही छत के नीचे रहती थीं, लेकिन अब जैसे-जैसे हमारे बच्चे पश्चिमी सभ्यता की ओर बढ़ रहे हैं, हमारा समुदाय बिखर रहा है।

मिश्रा ने आगे कहा कि हमारा एकमात्र उद्देश्य इन बच्चों को एक दिशा में लाना और सबको एकजुट करना था। आज हमारे माता-पिता वृद्धाश्रम जा रहे हैं, जो हमारे लिए चिंता का विषय है। उन्हें एक छत के नीचे कैसे रखा जाए? इसी उद्देश्य से यह बैठक आयोजित की गई थी। उन्होंने समाज में ब्राह्मणों की भूमिका को समझाते हुए कहा कि मूल्य/संस्कृति देना ब्राह्मणों का काम है, इसलिए यदि ब्राह्मणों द्वारा मूल्य/संस्कृति देने के लिए बैठक आयोजित की जा रही है, तो इसमें क्या गलत है? बल्कि, प्रत्येक समुदाय को भारत माता की मुख्यधारा में सबको लाने के लिए बैठक आयोजित करनी चाहिए। मिश्रा ने कहा कि इस बैठक का उद्देश्य राजनीतिक चर्चा करना नहीं था।

उन्होंने आगे कहा कि हमें राजनीतिक विचार-विमर्श की आवश्यकता नहीं है क्योंकि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की सरकार में माफिया का राज नहीं है और सभी व्यवस्थाएं बेहतर हैं, इसलिए राजनीतिक विचार-विमर्श की कोई जरूरत नहीं थी। मिश्रा ने पार्टी की भागीदारी के बारे में भी स्पष्टीकरण दिया। उन्होंने कहा, इस बैठक में लगभग चार दर्जन विधायकों ने भाग लिया, इसलिए किस पार्टी के विधायक मौजूद थे, इसकी जानकारी मेरे पास नहीं है। मैं थोड़ा देर से पहुंचा, इसलिए सभी से परिचय नहीं हो सका। उन्होंने बताया कि अन्य समुदायों ने पहले भी इसी तरह की बैठकें आयोजित की हैं। मिश्रा ने कहा, इससे पहले ठाकुर समुदाय के विधायकों ने भी अपनी बैठक की थी, जो बहुत अच्छी बात थी। कुर्मी समुदाय के विधायकों ने भी अपनी बैठक की थी, और मेरा मानना है कि अन्य समुदायों को भी अपनी बैठकें करनी चाहिए ताकि समुदाय मुख्यधारा से जुड़ सके।

ब्राह्मणों के नाराज होने की खबरें अफवाह : पीएन पाठक

कुशीनगर से भारतीय जनता पार्टी के विधायक और बैठक के आयोजक पी एन पाठक ने कहा, कल हमने ब्राह्मण विधायकों की एक बड़ी बैठक की। इस बैठक में किसी अन्य पार्टी का कोई विधायक मौजूद नहीं था। इस बैठक का कोई राजनीतिक उद्देश्य नहीं था। उन्होंने मीडिया रिपोर्टों को खारिज करते हुए कहा, मीडिया में तरह-तरह की बातें फैलाई जा रही हैं कि ब्राह्मण नाराज हैं, लेकिन ऐसा कुछ भी सच नहीं है। ब्राह्मण केवल उत्थान और सामाजिक कल्याण की बात कर रहे हैं।

सामंती मानसिकता के खिलाफ हम लड़ते रहेंगे : राहुल गांधी

नेता प्रतिपक्ष बोले- भाजपा सरकार में वैश्य समुदाय को निशाना बनाया जा रहा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने बुधवार को भाजपा सरकार की उन नीतियों की आलोचना की, जिनसे उनके अनुसार छोटे व्यवसायों को नुकसान पहुंचा है, खासकर वैश्य (व्यापारी) समुदाय को निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने वैश्य समुदाय को अपना पूरा समर्थन देते हुए इसे भाजपा की सामंती मानसिकता के खिलाफ लड़ाई बताया। उन्होंने समुदाय के संघर्षों पर चिंता व्यक्त करते हुए इसे अर्थव्यवस्था पर सरकारी कार्यों के नकारात्मक प्रभाव की चेतावनी बताया।

एक्स पर एक पोस्ट में राहुल गांधी ने लिखा कि हमारा व्यवसाय पतन के कगार पर है - व्यापार जगत में वैश्य समुदाय की इस पीड़ादायक पुकार ने हमें अंदर तक झकझोर दिया है। जिस समुदाय ने ऐतिहासिक रूप से राष्ट्र की अर्थव्यवस्था में इतना योगदान दिया है, वह आज निराशा में है - यह खतरे की घंटी है। सरकार ने एकाधिकारों को खुली छूट दे दी है और छोटे और मध्यम व्यापारियों को नौकरशाही और गलत जीएसटी जैसी दोषपूर्ण नीतियों की जंजीरों में जकड़ दिया है।

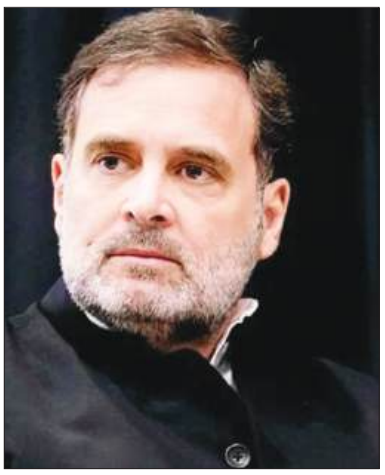

एकाधिकार को बढ़ावा देना चाहती है भाजपा

उन्होंने भाजपा पर एकाधिकार को बढ़ावा देने और छोटे व्यापारियों पर नौकरशाही और दोषपूर्ण नीतियों, जैसे कि गलत जीएसटी, का बोझ डालने का आरोप लगाया। पोस्ट में लिखा था कि यह सिर्फ नीतिगत विफलता नहीं है - यह उत्पादन, रोजगार और भारत के भविष्य पर सीधा हमला है। यह भाजपा सरकार की सामंती मानसिकता के खिलाफ लड़ाई है। और इस लड़ाई में, मैं देश के व्यापार की रीढ़ माने जाने वाले वैश्य समुदाय के साथ पूरी ताकत से खड़ा हूं।

विकसित भारत-रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) विधेयक पर चर्चा से बची सरकार

इसी बीच, राहुल गांधी ने सत्तारूढ़ भाजपा सरकार पर विकसित भारत-रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) विधेयक, 2025 पर संसद में चर्चा न करने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया कि यह विधेयक विकास लाने के लिए नहीं बल्कि विनाश लाने के लिए है, जिसकी कीमत भारतीयों को अपनी आजीविका खोकर चुकानी पड़ेगी। गांधी ने लिखा कि कोई सार्वजनिक चर्चा नहीं, संसद में कोई विचार-विमर्श नहीं, राज्यों की कोई सहमति नहीं - मोदी सरकार ने एमजीएनआरईजीए और लोकतंत्र दोनों पर ही बुलडोजर चला दिया है। यह विकास नहीं, बल्कि विनाश है - जिसकी कीमत लाखों मेहनतकश भारतीयों को अपनी आजीविका खोकर चुकानी पड़ेगी। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष श्रीमती सोनिया गांधी जी का यह लेख अवश्य पढ़ें, जो इस गंभीर मुद्दे के हर पहलू को उजागर करता है।

20 साल बाद साथ आए ठाकरे बंधु

बीएमसी चुनाव में गठबंधन करके दोनों लड़ेंगे चुनाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) और राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) ने साथ आने का एलान कर दिया है। 20 साल बाद ठाकरे ब्रदर्स फिर एक बार एक-दूसरे के साथ खड़े हैं। उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे ने प्रेस कॉन्फ्रें स कर शिवसेना और एमएनएस के गठबंधन की जानकारी दी। नगर परिषद चुनाव (बीएमसी) में दोनों पार्टी नेता अब एक साथ इलेक्शन लड़ते नजर आएंगे।

उद्धव ठाकरे ने कहा कि हम एकजुट रहने के लिए एक साथ आए हैं। उद्धव ठाकरे ने आगे कहा कि जो लोग भाजपा के भीतर हो रही घटनाओं को सहन नहीं कर सकते, वे शिवसेना (यूबीटी)-एमएनएस गठबंधन में भी शामिल हो सकते हैं। उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे का पूरा परिवार एक साथ मंच पर खड़ा नजर आया। ठाकरे परिवार के साथ शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत भी दिखे। ठाकरे ब्रदर्स की प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान मंच के पीछे लगे पोस्टर पर बालासाहेब ठाकरे की तस्वीर लगाई गई. इस पोस्टर पर न तो उद्धव ठाकरे की तस्वीर लगाई गई और न ही राज ठाकरे की। दोनों पार्टी के चुनावी चिन्ह के बीच में बालासाहेब ठाकरे की फोटो को लगाया गया।

बालासाहेब ठाकरे को श्रद्धांजलि देने पहुंचे उद्धव व राज ठाकरे

शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे और एमएनएस प्रमुख राज ठाकरे अपने पिता बालासाहेब ठाकरे को श्रद्धांजलि देने एक साथ पहुंचे। दोनों नेता अपनी पत्नियों के साथ शिवाजी पार्क स्थित स्मृति स्थल पर गए थे।

मुंबई को मराठी मानुष से कभी नहीं छीना जा सकता : उद्धव

पूर्व मुख्यमंत्री ने कुछ ताकतों पर मुंबई को नष्ट करने का प्रयास करने का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि लगातार आपसी कलह हुतात्मा का

अपमान होगा और उन्होंने जोर देकर कहा कि मुंबई को मराठी मानुष से कभी नहीं छीना जा सकता। भाजपा के नारे बटेंगे तो काटेंगे का जिक्र करते हुए उद्धव ठाकरे ने मराठी मानुष से एकजुट रहने का आह्वान किया और चेतावनी दी कि अब लड़खड़ाने से विभाजन होगा। उद्धव ठाकरे ने कहा कि वे ठाकरे बंधुओं के रूप में एक साथ आए हैं। उन्होंने अपने दादा प्रबोधनकर ठाकरे की विरासत को याद किया, जिन्होंने महाराष्ट्र के लिए संघर्ष का नेतृत्व किया था, और कहा कि मुंबई के राज्य का हिस्सा बनने के बाद, शिवसेना प्रमुख बालासाहेब ठाकरे ने पार्टी की स्थापना की।

जम्मू-कश्मीर के 5 जिलों में हिमस्खलन का खतरा, प्रशासन सतर्क, चेतावनी जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर के ऊपरी इलाकों में हाल में हुई भारी बर्फबारी के मद्देनजर बुधवार को इस केंद्र शासित प्रदेश के पांच जिलों में हिमस्खलन की चेतावनी जारी की गयी। अधिकारियों ने बताया कि डोडा, गांदरबल, किश्तवाड़, पुंछ और रामबन जिलों के लिए कम खतरे वाली हिमस्खलन की चेतावनी जारी की गई है। ?

उन्होंने बताया कि अगले 24 घंटों के दौरान इन जिलों से 2,800 मीटर ऊपर हिमस्खलन होने की आशंका है। लोगों से हिमस्खलन की आशंका वाले इलाकों से बचने और सरकार की ओर से जारी परामर्श का पालन करने को कहा गया है। जम्मू कश्मीर के ज्यादातर ऊपरी इलाकों में इस हफ्ते हल्की से भारी बर्फबारी हुई है। हिमस्खलन, ढलान से तेज़ी से नीचे गिरने वाले पदार्थ का एक बड़ा ढेर। हिमस्खलन आमतौर पर तब शुरू होता है जब ढलान पर मौजूद पदार्थ अपने आस-पास से अलग हो जाता है, यह पदार्थ फिर तेज़ी से इकट्ठा होता है और ढलान से नीचे और भी पदार्थ ले जाता है। हिमस्खलन कई तरह के होते हैं, जिनमें चट्टानी हिमस्खलन (जो टूटी हुई चट्टानों के बड़े टुकड़ों से बनता है), बर्फीला हिमस्खलन (जो आमतौर पर ग्लेशियर के पास होता है), और मलबा हिमस्खलन (जिसमें कई तरह के बिना जमे हुए पदार्थ होते हैं, जैसे ढीले पत्थर और मिट्टी) शामिल हैं।

अरावली की 'गलत परिभाषा' किसके फायदे के लिए

अरावली पहाड़ियों को लेकर राजस्थान, हरियाणा, गुजरात और राजधानी दिल्ली में विरोध-प्रदर्शन जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अरावली पहाड़ियों को लेकर राजस्थान, हरियाणा, गुजरात और राजधानी दिल्ली में विरोध-प्रदर्शन जारी हैं। वहीं, कांग्रेस ने बुधवार को केंद्र सरकार पर अरावली के मुद्दे को लेकर जनता को गुमराह करने का आरोप लगाया। कांग्रेस ने पूछा कि वह पहाड़ियों की पूरी तरह से गलत परिभाषा को क्यों आगे बढ़ा रही है?

बुधवार को कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर केंद्र सरकार की मंशा पर सवाल उठाते हुए कहा कि अरावली की जिस नई परिभाषा को अपनाया जा रहा है, उसका देश की प्रमुख संस्थाओं ने विरोध किया है। जयराम रमेश ने कहा कि अरावली की इस नई परिभाषा का भारतीय वन सर्वेक्षण, सुप्रीम कोर्ट की सेंट्रल एम्पावर्ड कमेटी और सुप्रीम कोर्ट के एमिकस क्यूरी पहले ही विरोध कर चुके हैं। इसके बावजूद सरकार इस परिभाषा को आगे बढ़ाने पर अड़ी हुई है। कांग्रेस का आरोप है कि विशेषज्ञ संस्थाओं की आपत्तियों को नजरअंदाज कर किया जा रहा यह कदम पर्यावरण के लिए गंभीर खतरा साबित हो सकता है।

कांग्रेस ने सवाल उठाया है कि सरकार अरावली को दोबारा परिभाषित करने पर क्यों जोर दे रही है और यह बदलाव आखिर किसके हित में किया जा रहा है। पार्टी का कहना है कि अरावली भारत की अमूल्य प्राकृतिक धरोहर हैं और इनके संरक्षण से कोई समझौता देश के भविष्य के साथ खिलवाड़ होगा।

महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। विधि सलाहकार: मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा
द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक- संजय शर्मा